हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार,28 अप्रैल 2024

तापमान
अधिकतम 37.4 डिग्री
न्यूनतम 21.4 डिग्री

10 भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया का दो जगह विरोध

10 नुक्कड़ नाटक से युवाओं को लोस चुनाव में वोट के लिए किया प्रेरित

पीरियोडोंटोलॉजी रोग से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं की जांच होगी अनिवार्य: डॉ. ग्रोवर

इंडियन सोसाइटी ऑफ पीरियोडोंटोलॉजी की मांग पर सरकार हुई सहमत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

इंडियन सोसायटी ऑफ पीरियोडोंटोलॉजी के तत्वावधान में पीरियोडोंटोलॉजी विभाग द्वारा डीएवी डेंटल कॉलेज यमुनानगर में शनिवार को तीन दिवसीय राष्ट्रस्तरीय समीक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में देश भर के राज्यों के अलावा नेपाल समेत करीब सौ विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। विद्यार्थियों को जागरुक करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में इंडियन सोसायटी ऑफ पीरियोडोंटोलॉजी के आगामी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरप्रीत सिंह ग्रोवर ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता डीएवी डेंटल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. आईके पंडित ने की। मौके पर एसोसिएशन के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर गोपालकृष्णन ने बताया कि हर वर्ष पोस्ट ग्रेजुएट के फाइनल ईयर के छात्रों की अब तक हुई पढ़ाई का इन तीन दिवसीय समीक्षा कार्यक्रम के तहत रिविजन करवाया जाता है। ताकि छात्र परीक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें। मौके पर पांवटा साहिब डेंटल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजन गुप्ता, डॉ. मनीष खत्री, डॉ. विशाखा ग्रोवर, डॉ. जीपी चहल, डॉ. मीनू व वैज्ञानिक संयोजक आईएसपी डॉ.दीपिका बाली, डॉ. शालिनी गुगनानी आदि मौजूद रहे।

■ डीएवी डेंटल कॉलेज यमुनानगर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

यमुनानगर के डीएवी डेंटल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए मेजबान कॉलेज प्राचार्य डॉ. आईके पंडित व अन्य। फोटो : हरिभूमि

गलत खान पान से बढ़ रही बीमारियां

हरियाणा डेंटल ऑफ काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. गौरव मुंजाल ने बताया कि हमारे गलत खान-पान के चलते दांतों की बीमारियां दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं। दांतों के साथ चिपकाने वाले मीठे खाद्य पदार्थ व मैदे की चीजों के ज्यादा सेवन करने से बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है। अगर हम शुरू से ही बच्चों को रात को ब्रश करवाने की आदत डालें तो निश्चित तौर पर बीमारियों से राहत मिल सकती है।

गर्भवती महिलाओं के दांतों का चेकअप कर फ्री इलाज किया जाएगा

मुख्यातिथि एवं सोसायटी के आगामी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर हरप्रीत सिंह ग्रोवर ने कहा की साइंस ने भी सिद्ध कर दिया है कि पीरियोडोंटोलॉजी रोग के ठीक न होने के चलते हृदय रोग, किडनी संबंधी रोग, शुगर और गर्भवती महिलाओं का बच्चा जल्द होने व बच्चा कमजोर पैदा होने की संभावनाएं रहती हैं। इसी के चलते पीरियोडोंटोलॉजी एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से मांग की थी कि जो भी गर्भवती महिलाएं पीरियोडोंटोलॉजी रोग से ग्रस्त है उनका राष्ट्रीय स्तर पर मुहिम चलाकर इलाज अनिवार्य और निःशुल्क किया जाए। सरकार से यह भी कहा गया था कि हर तीन महीने बाद गर्भवती महिला का चेकअप कर दांतों की सफाई की जाए। अब सरकार ने उनकी मांग को स्वीकार कर लिया है। अब जल्द ही गर्भवती महिलाओं के दांतों का चेकअप कर फ्री इलाज किया जाएगा। ऐसा होने पर पैदा होने वाले बच्चों में यह बीमारी नहीं पनप पाएगी।

कार्यक्रम बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होंगे

कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि एवं उद्योगपति रमन सलूजा ने कहा की ऐसे कार्यक्रम निश्चित तौर पर फाइनल ईयर के बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जितना भी ज्यादा सीखने को मिले सीखना चाहिए । क्योंकि इसी से आगामी जीवन में और अच्छा करने में मदद मिलती है। उन्होंने डेंटल कॉलेज प्राचार्य की तारीफ करते हुए कहा कि कॉलेज में समय-समय पर कार्यक्रम करवा कर बच्चों की प्रतिभा को भी निखारने का अवसर प्रदान किया जाता है । कॉलेज प्राचार्य डॉ. आईके पंडित ने देश भर से आए हुए वक्ताओं एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम से निश्चित तौर पर विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने कहा कि वह अपने आप को गौरवान्वित मानते हैं कि पिछले पांच वर्षो्ं से यह राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम हमारे कॉलेज में करवाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में युवक की जान गई

अंबाला। नेशनल हाईवे 44 पर मोहड़ा बस स्टैंड के पास हुई सडक दुर्घटना में एक व्यक्ति की जान चली गई। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को शिनाख्त हेतू 72 घंटे के लिए चंडीगढ सैक्टर 12 पीजीआई की मोर्चरी में रखा गया है। मुख्य सिपाही ने बताया कि करीब 25 साल का युवक मोहड़ा के पास हुए हादसे में जख्मी हो गया था। बाद में उसने उपचार के दौरान पीजीआई में दम तोड़ दिया।

हादसे में नंबरदार की दर्दनाक मौत

नारायणगढ़। ट्रक की चपेट में आने से नंबरदार की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में सहयोगी को गंभीर चोटें आई हैं। हादसा शुक्रवार देर शाम होटल ग्रेंड के पास हुआ। मृतक की शिनाख्त गांव पिंजोड़ी के भूपिंदर सिंह नंबरदार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार शाम साढ़े 7 बजे होटल ग्रेंड के पास बाइक व ट्रक का एक्सीडेंट हुआ। यहां बाइक सवार गांव पिंजोडी के नंबरदार भूपिंदर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई है। उसके साथी विनोद कुमार को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

बिजली के खंभे से हो सकता है हादसा

पानीपत। पानीपत के जलालपुर प्रथम गांव के स्टेडियम के खेल ग्राउंड में 11 हजार वोल्टेज बिजली के खंभे खडे होने और स्टेडियम के बीच से बिजली की तार गुजरने से खिलाड़ियों को भारी समस्या का सामना करना पडता है, इतना ही नही बल्कि इस दौरान कभी भी किसी प्रकार का कोई अप्रिय हादसा हो सकता है। इधर, सरपंच प्रतिनिधि शिवकुमार ने बताया कि बिजली निगम के अधिकारियों ने जल्द उक्त समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

पंचनद ट्रस्ट का कार्यक्रम आज

पानीपत। पंचनद स्मारक ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष सुधा को हरियाणा सरकार में मंत्री बनाए जाने से हर्षित है। स्मारक अपने प्रदेश अध्यक्ष को मंत्री बनने पर आगमी 28 अप्रैल को सांय 6 बजे एंबियंस गार्डन में सुभाष सुधा का नागरिक अभिनंदन करेगा। ये जानकारी टीडीआई में एक प्रेस वार्ता के दौरान स्मारक के युवा जिला अध्यक्ष तथा कार्यक्रम संयोजक विक्की कत्याल तथा स्मारक के युवा प्रदेशअध्यक्ष जितेंद्र गेरा ने संयुक्त रूप से दी।

सैर कर रहे युवक की वाहन की टक्कर से मौत

यमुनानगर। यमुनानगर-कुरूक्षेत्र नेशनल हाईवे पर औरंगाबाद के नजदीक सैर कर रहे युवक पंकज कुमार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल हुए युवक ने पीजीआई ले जाते हुए रास्ते में दम तोड़ दिया। सुशील कुमार की शिकायत पर केस दर्ज।

एयर कंडीशन का कंप्रेशर फटा, मैकेनिक समेत चार जख्मी, एक पीजीआई रेफर

अंबाला। एयर कंडीशन का कंप्रेशर फटने से चार लोग जख्मी हो गए। एक जख्मी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया है। हादसा रामपुर गांव मोड पर स्थित एक दुकान में एसी रिपेयर करते हुआ है। जानकारी के मुताबिक दुकान पर मैकेनिक कुलवंत एसी की रिपेयर कर रहा था। इसके साथ ही एक अन्य मैकेनिक और 2 हेल्पर भी वहां उपस्थित थे। अचानक एसी का कंप्रेशर फट गया। हादसे में कुलवंत को ज्यादा गंभीर चोटें आई हैं। उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। सिविल अस्पताल के डॉक्टर के मुताबिक कुलवंत की एक बाजू की नस कटी है। इसी वजह से उसे रेफर किया गया है। मैकेनिक राजकुमार के शरीर पर भी कई जगह चोटें आई है। हेल्पर चंदपुरा के गुरजीत और अकबरपुर के गौरव को भी चोटों की वजह से नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। हादसे की सूचना मिलने के बाद भी पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

भारत-जापान के हैं सदियों पुराने रिश्ते : डॉ. काटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

■ कुवि में भाषा परंपरा एवं आत्म गौरव पर हुई विचार संगोष्ठी

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज के संस्कृत विभाग एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में भाषा परंपरा एवं आत्म गौरव विषय पर शनिवार को विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जापान के टोक्यो विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एवं दर्शनशास्त्र के विद्वान डॉ. ताकाहिरो काटो मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। डॉ. काटो ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जापान में भाषा के गौरव का बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि गूगल के इस क्षेत्र में हिंदी के लिए प्रयास को सफल हैं परंतु संस्कृत के क्षेत्र में अभी गूगल को पूरी सफलता नहीं मिली है। अगले एक-दो वर्षों के बाद ओसीआर की पूर्ण सफलता के बाद संस्कृत की किसी भी पांडुलिपि को प्रामाणिक रूप से तुरंत अंकित करना आसान हो जाएगा। इस अवसर पर प्रो. पूनम, डॉ तेलू राम, राजीव, दीपक कुमार, मनदीप, गुंजन, दीपिका, वंदना, वंशिका सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं छात्र सम्मिलित हुए।

नकाबपोशों ने बिजलीकर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

गांव मतलौडा के 132 केवी सब स्टेशन में जमकर तोड़-फोड़ की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

■ रात्रि लगभग तीन बजे बाइक पर सवार होकर आए बदमाशों ने बिजलीघर में कोहराम मचाया

पानीपत के गांव मतलौडा स्थित 132 केवी सब स्टेशन पर तीन नकाबपोश बदमाशों ने जमकर तोड़फोड़ की और कर्मचारियों को लोहे की रोड व डंडों से दौड दौडा कर पीटा। कर्मचारियों ने पावर हाउस से भागकर जान बचानी पड़ी। इधर, जेई रामभज ने बताया कि शुक्रवार रात को स्विफ्ट अटेंडेंट राजेंद्र, ग्रिड सबस्टेशन आपरेटर शिवकुमार व लाइनमैन दीपक ड्यूटी पर थे। रात्रि लगभग तीन बजे तीन बदमाश बाइक पर सवार होकर बिजलीघर पहुंचे। रात होने के कारण बिजलीघर के मेन गेट का दरवाजा बंद था। वो सभी दरवाजा खुलवाने की बजाय दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए।

उन्होंने अंदर घुसकर कर्मचारियों के साथ मार पीट व बिजली घर में जमकर तोड़फोड़ की। जिनमें से एक युवक की पहचान संजीत पुत्र रामनिवास उर्फ राजू वासी गांव नारा जिला पानीपत के रूप में हुई। इस मामले की शिकायत थाना मतलौडा पुलिस से की गई है। जबकि राजेंद्र ने बताया कि बदमाश लगभग तीन बजे पावर हाउस में अंदर घुसे। उन्होंने कंट्रोल रूम में खिड़की, दरवाजे, कुर्सी, मेज व अन्य समान की तोड़फोड़ की। वहां पर खड़ी कर्मचारियों की मोटरसाइकिल को भी तोड़ दिया और कर्मचारियों को जमकर पीटा। इधर, पुलिस की जांच में पता चला कि तीनों बदमाशों ने गांव गांव नारा स्थिति 33 केवी सब स्टेशन पर पहुंचे वहां नियुक्त कर्मियों को अपशब्द कहे।

पानीपत। मतलौडा बिजली घर में टूटे शीश व उलटी मेज।

डीएवी पब्लिक स्कूल में इंग्लिस डे मनाया

रादौर। रादौर के डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को इंग्लिस डे मनाया गया। जिसमें कक्षा तीसरी से 8वीं तक के बच्चों ने भाग लिया। ार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीत, कविता, नाटक मंचन, भाषण, पहेली, क्विज आदि विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस दौरान मीनाक्षी शर्मा ने बच्चों को पर्सनालिटी एंड डवेलपमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। मौके पर स्कूल के प्रिंसीपल रमन शर्मा ने बताया कि अंग्रजी भाषा पूरे विश्व की भाषा है। यह पूरे विश्व में समझी व बोली जाती है। इस अवसर पर साक्षी पांडे. अंजू बैनीवाल व प्रीति वर्मा आदि मौजूद रहे।

पिस्तौल के बल पर महिला को बंधक बनाकर लूटे गहने व तीन मोबाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जगाधरी की सुभाष नगर कॉलोनी में देर शाम मुंह पर मास्क लगाए दो बदमाशों ने एक घर में घुसकर महिला से पिस्तौल के बल पर सोने की चेन, बालियां व तीन मोबाइल लूट लिए। घटना के समय आरोपियों ने घर में काम कर रहे एक मजदूर, किराएदार महिला व उसके बच्चों को एक कमरे में बंद कर दिया। यह घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए घर में घुसे बदमाश।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सुभाष नगर कॉलोनी निवासी महिला नीरज गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार शाम साढ़े सात बजे वह घर के मंदिर में पूजा करने बैठी थी। तभी दो बदमाश मास्क लगाए हुए घर में घुस गए। आरोपियों ने उसे पीछे से पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट करने लगे। इस दौरान आरोपियों ने उस पर पिस्तौल तान दी और उसके गले से सोने की चेन, कानों से बालियां व तीन मोबाइल लूट लिए। इस दौरान आरोपी उससे पांच लाख रुपये की मांग करने लगे। जब उसने आरोपियों को कहा कि उसके पास पैसे नहीं है तो आरोपी वहां से फरार हो गए।

सूने घर से नकदी व आभूषण की चोरी

यमुनानगर। जिले के बिलासपुर की गणपति कॉलोनी में चोरों ने सूने घर में घुसकर 50 हजार रुपये की नकदी व आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव लेदी निवासी आदित्य अंगरिश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गणपति कॉलोनी बिलासपुर में किराए के मकान में रहता है। वह और उसकी पत्नी नौकरी करते हैं। गत 26 अप्रैल को वह और उसकी पत्नी ड्यूटी पर गए थे। बच्चे स्कूल गए हुए थे। दोपहर को जब उनके बच्चे स्कूल से घर आए तो उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा है। बच्चों ने फोन कर उसे घटना के बारे में बताया। सूचना मिलते ही वह घर पहुंचा तो घर में सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से अलमारी में रखे 50 हजार रुपये, सोने की बालियां, सोने के नग, एक अंगूठी व अन्य सामान गायब था। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

श्रद्धांजलि

रोटरी क्लब रादौर ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का किया आयोजन

इमली के पेड़ पर फांसी पर लटका दिए गए 51 देशभक्तों की शहीदी को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रोटरी क्लब रादौर ने शनिवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के बिंदकी उपखंड में खजूआ कस्ब के नजदीक पाराधान में ईमली के पेड़ पर 51 देशभक्तों को फांसी पर लटकाकर शहीद कर दिए गए शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब के प्रधान मंजीत सिंह पंजेटा ने की।

क्लब के प्रधान मंजीत सिंह पंजेटा ने बताया कि 27 अप्रैल 1858 को कर्नल क्रिस्टाइल की सेना ने स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणीय ठाकुर जोधा सिंह व उनके 51 अन्य साथियों को घेर कर पकड़ा था। जिसके बाद अंग्रेजों ने इन देशभक्तों को ईमली के पेड़ पर लटका कर फांसी पर लटका कर शहीद किया गया था। अंग्रेजों ने देशभक्तों के शवों को कई दिनों तक पेड़ पर लटकाए रखा। शव पेड़ पर झूलते रहे। चार मई की रात को अपने सशस्त्र साथियों के साथ नरेश बावनी व उनके साथियों ने शवों को पेड़ से उतारकर शिवराजपुर के गंगा घाट में उनकी अंतेष्टियां की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय दिवस पर 23 मार्च को शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु को याद किया जाता है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि 27 अप्रैल को देश के 52 क्रांतिकारियों को फांसी पर लटका कर शहीद किया गया था। पंजेटा ने कहा कि इस देश को आजाद करवाने में हमारे असंख्या बलिदानियों ने बलिदान दिया है। जिसे कभी भी भूलाया नहीं जा सकता है।

यमुनानगर के रादौर में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को नमन करते रोटरी क्लब के सदस्य।

कोर्ट परिसर में फर्जी स्टांप पेपर बेचने का मामला आया सामने

दो मकानों के बयाने में इस्तेमाल एक लाख 13 सौ रुपये का स्टांप पेपर निकला 101 रुपये का

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

■ स्टांप पेपर के प्रिंट में अंतर पाए जाने से पकड़ में आया फर्जीवाड़ा

जगाधरी कोर्ट परिसर में फर्जी स्टांप पेपर बेचने का मामला सामने आया है। शहर के विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी रवि कुमार ने दो मकानों के बयाने में इस्तेमाल के लिए किए गए एक लाख 13 सौ का स्टांप पेपर मात्र 101 रुपये का निकला। स्टांप पेपर के प्रिंट में अंतर पाए जाने पर फर्जीवाडा पकड़ में आया। पुलिस ने आरोपी स्टांप पेपर विक्रेता के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी रवि कुमार ने जगाधरी के हुड्डा सेक्टर-17 पुलिस थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका एक मकान आजाद नगर गली नंबर 10 में है। इसका बयाना 27 सितंबर 2023 को विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी महिंद्र सिंह के साथ हुआ था। महेंद्र सिंह का जो मकान विश्वकर्मा मोहल्ला में है। वह उसको खरीदना था। जब वह इन दोनों मकानों की रजिस्ट्री कराने के लिए महिंद्र सिंह के पास गया तो उसने उसे जगाधरी कोर्ट परिसर में प्रवीण गर्ग को स्टांप पेपर निकलवाने के लिये पैसे देने के लिये कहा। 15 दिसंबर 2023 को उन्होंने प्रवीण कुमार गर्ग को एक लाख 13 सौ और एक लाख 98 हजार के स्टांप पेपर निकलवाने कि एवज में तीन लाख रुपये नकद दिए। जब वह महिंद्र सिंह के पास रजिस्ट्री कराने के लिए गए, तब वह रजिस्ट्री कराने में आनाकानी करने लगा। जब उन्हें लगा कि अभी रजिस्ट्री नहीं हो सकती तो दोबारा अपने स्टांप निकलवाने के लिए तीन लाख रुपये नकद दिए। उससे अपने स्टांप पेपर मांगे तो उसने उसे एक लाख 1300 रुपये और एक लाख 98 हजार के स्टांप पेपर दिए। स्टांप पेपर के राशि के प्रिंट में कुछ बदलाव के कारण उस स्टांप पेपर पर शक हुआ। उन्होंने दूसरे स्टांप विक्रेता से जांच कराई तो पता चला कि उन्होंने जो एक लाख 1300 रुपये का स्टांप दिया गया था वो मात्र 101 रुपये का था। यह स्टांप प्रवीण कुमार गर्ग ने अपने मोबाईल नंबर पर ओटीपी मंगवाकर निकलवाया गया था। जो कि स्टांप पेपर पर भी चिन्हित है। जबकि दूसरे स्टांप पेपर मूल्य 19 हजार 800 के बारे मे जानकारी प्राप्त करनी चाही तो उन्हें उस स्टांप पेपर की कोई जानकारी हरियाणा सरकार के स्टांप पेपर पोर्टल पर नहीं थी।

ये कहते हैं जांच अधिकारी

जगाधरी के हुड्डा सेक्टर 17 थाना के जांच अधिकारी एएसआई विक्रम ने बताया कि मामले में आरोपी स्टांप विक्रेता प्रवीण गर्ग के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

निबंध लेखन में सिमरनजीत प्रथम

पानीपत। आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वाणिज्य तथा प्रबंधन विभाग द्वारा बी.कॉम तृतीय वर्ष में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर विचार प्रकट किए जैसे डिजिटल इन्नोवेशन व ई-कॉमर्स। वही, प्रतियोगिता में सिमरनजीत ने प्रथम, प्रेरणा द्वितीय, निखिल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि प्रतियोगिता का संचालन प्रो. अजयपाल सिंह व पूजा डूडेजा ने किया।

आर्य पीजी कॉलेज में दिखाई जाएगी मुलतानी फिल्म

पानीपत। अंकन साहित्यिक मंच की आर्य पीजी कॉलेज में हर माह के अंतिम रविवार को होने वाली कवि गोष्ठी में इस बार मुलतानी लघु फिल्म सजा भी दिखाई जाएगी। साहित्यकार, कवि व मुलतानी एक्टर कमल नयन वर्मा द्वारा निर्मित बहुचर्चित मुलतानी लघु फिल्म सजा को प्रोजेक्टर की मदद से बड़ी सक्रीन पर दिखाया जाएगा। यह कार्यक्रम आर्य कालेज में रविवार को होगा। फिल्म के सभी कलाकार, लेखक, गायक, संगीतकार व निर्देशक देव वर्मा इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

हरिद्वार में होगा 17वां सालाना समागम

पानीपत। पानीपत के वार्ड नौ स्थित गुरूद्वारा शाह साहिब में बैठक गद्दीनशीन सरदार गुरविंदर शाह सिंह की अध्यक्षता में बुलाई गई। जिसमें 3, 4 व 5 मई को माता गुरुबख्श कौर धाम हरिद्वार में 17वां सालाना समागम मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मनोहर लाल रेवड़ी, देवेन्द्र रेवड़ी, भारत भूषण, मुरलीधर, प्रदीप रेवड़ी, सतनाम सिंह, हरीश गंगवानी, सुंदर दास, जितेंद्र नारंग, लाल चंद व ईश्वर जुनेजा आदि मौजूद थे।

टैलेंट शो में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

पानीपत। पानीपत के तहसील कैंप के कृष्ण नगर स्थित विक्टर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में टैलेंट शो का आयोजन हुआ। वही, डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ग्यारहवीं कक्षा का जसप्रीत व द्वितीय स्थान पर मन्नत रही। संगीत में प्रथम छठी कक्षा का राघव व द्वितीय स्थान पर चिराग व हर्ष रहे। ड्राइंग में प्रथम आठवीं कक्षा का छात्र वंश रहा। भाषण में प्रथम स्थान पर तलिश, द्वितीय हर्ष व तृतीय जसमीत रहे।

आग में खेतों में खड़ा गेहूं, फांस व बिटोडे जले

पानीपत। पानीपत के गांव बापौली में सरकारी अस्पताल के सामने अचानक गेहूं की फांस में आग लग गई, आग इतनी भयानक थी कि उसने कई एकड़ गेहूं की फांस सहित खडी गेहूं की फसल को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लेने की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी तो ग्रामीण आग बुझाने के लिए दौडे और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।
तेज हवा के कारण आग ने उग्र रूप धारण कर लिया जिससे कई एकड़ गेहूं की खड़ी फसल व फास जलकर खाक हो गई।
किसानों ने ट्रैक्टर हेरो से जुताई कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग इतनी भयानक थी कि अगर घटनास्थल के बीच में सड़क नहीं होती तो आग से भारी नुकसान का सामना करना पड सकता था।

एंटी करप्शन एवं क्राइम प्रिवेंशन की आयोजित हुई बैठक

राष्ट्र स्तर पर करप्शन और अपराध को दूर करना जरूरी: डॉ. निर्मल

प्रिवेंशन के राष्ट्रीय निदेशक डॉ. निर्मल सिंह ने अपराधों को दूर करने के लिए समाज को जागरुक करने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। कैंप में आयोजित प्रिवेंशन की बैठक में भाग लेते हुए पदाधिकारी।

एंटी करप्शन एवं क्राइम प्रिवेंशन (एसीसीपी) के सदस्यों की शनिवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रस्तर पर पनप रहे क्रप्शन व अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए समाज को जागरुक करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिवेंशन के राष्ट्रीय निदेशक डॉ. निर्मल सिंह ने की। जबकि विशिष्ठ अतिथि के रुप में एसीसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित मेनकेट, पब्लिक रिलेशन के जनरल मैनेजर कोमल ओबरॉय व मीडिया प्रभारी सत्यम नागपाल आदि मौजूद रहे। प्रिवेंशन के राष्ट्रीय निदेशक डॉ. निर्मल सिंह ने कहा कि वर्तमान में राष्ट्रस्तर पर बढ़ रहे क्रप्शन और अपराधों से समाज उत्पीड़ित हो रहा है। इस करप्शनऔर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए समाज को जागरुक करना बेहद जरुरी है। क्योंकि क्रप्शन और अपराधों के खिलाफ सामुहिक क्रियाओं को सुधारने के लिए समाज को जागरूक करना अति आवश्यक है। उन्होंने बैठक में शामिल हुए शांतिपूर्णता और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पित सदस्यों द्वारा शुरु की गई पहल की सराहना की। डॉ. निर्मल सिंह ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य राष्ट्रीय स्तर पर क्रप्शन एवं अपराध के खिलाफ सामुहिक क्रियाओं को सुधारना, समाज को जागरुक करना, उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करने, समाजिक व नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा को बढ़ावा देने की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना रहा। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित मेनकेट ने बताया कि प्रिंवेंशन द्वारा कार्यशालाएं, विशेषज्ञ व्याख्यान और सार्वजनिक चर्चा समूह आदि गतिविधियों के माध्यम से समाज को जागरुक किया जाएगा। मौके पर राष्ट्रीय स्तर पर पनप रहे क्रप्शन व अपराधों को दूर करने के लिए सदस्यों ने अपने विचार सांझा किए। सदस्यों ने आश्वासन दिया कि वह सामूहिक एकाग्रता,उदाहरण स्थापित करने व समाज को प्रेरित करने के लिए सक्रिय योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मौके पर सदस्यों ने इस मुहिम को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए सभी संबंधित पक्षों को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पुस्तकें पढ़ने से ज्ञान में होती है वृद्धि

- मुकंदलाल नेशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में धूमधाम से मनाया विश्व पुस्तक दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

यमुनानगर। मुकंदलाल नेशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

मुकंदलाल नेशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शनिवार को विश्व पुस्तक दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रोल प्ले के माध्यम से पुस्तकों के महत्व को समझाया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने रिबन काटकर किया। प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने बताया कि विश्व पुस्तक दिवस पुस्तकों के महत्व को मान्यता देने और पठन समानता को बढ़ावा देने के लिए विश्व भर में मनाया जाता हैं। कार्यक्रम में कक्षा छठी से दसवीं तक के बच्चों ने एक रोल प्ले के माध्यम से पुस्तकों के महत्व को बताया। यह गतिविधि शिल्पी गुप्ता व आरती द्वारा करवाई गई। प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने कहा कि पुस्तक हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जो हमें ज्ञान, मनोरंजन व समृद्धि के रास्ते प्रदान करती हैं। पुस्तकें पढ़ने से मनुष्य के ज्ञान में वृद्धि तो होती ही है साथ ही साथ पुस्तकें मनुष्य को अंधकार से रोशनी की ओर ले जाती हैं।

निर्धन परिवारों की बेटियों का विवाह करवाएगी प्रांरभ एक नई शुरूआत

पानीपत। प्रारंभ एक नई शुरूआत संस्था की बैठक दी एंबियंस गार्डन हुडा सेक्टर 25 में हुई। मीटिंग की अध्यक्षता प्रधान सिद्धार्थ गुप्ता ने करते हुए बताया कि संस्था समय-समय पर सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अग्रसर रहती है। संस्थापक दीपक गोयल ने बताया कि एक बार फिर संस्था हिन्दू रीति अनुसार समाज के सभी जाति वर्ग के लिए 21 जोडों का सामूहिक विवाह समारोह 30 जून को आयोजित करने जा रही है। उन्होंने कहा कि विवाह के लिए बेटियों की उम्र 18 वर्ष से अधिक व बेटे की उम्र 21 वर्ष से अधिक हो, दोनों अविवाहित हो। महामंत्री अंकुश जिंदल ने बताया की इस सामुहिक विवाह कार्यक्रम हेतु हम केवल व्यवस्थापक के रूप में स्थान, वर पक्ष तथा वधु पक्ष के लिए अधिकतम 20 -20 कुल 40 व्यक्तियों के खान पान हेतु तथा शादी के बाद जीवन यापन करने हेतु आवश्यक घरेलू उपयोगी वस्तुओं को देने की व्यवस्था करेंगे। कोषाध्यक्ष कपिल गुप्ता ने बताया कि विवाह के लिए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शपथ पत्र, चार पासपोर्ट साइज फोटो तथा एमसी, सरपंच के लेटर हैड पर प्रमाण पत्र जमा करवाने होंगे। इस मौके पर आशीष गर्ग, सुधांशु गोयल, लव कुश अग्रवाल, अशोक गर्ग, सन्नी गर्ग, साहिल मित्तल, सुनील जिंदल, शिशपाल गर्ग तथा महीपाल बंसल आदि मौजूद रहे।

सेमीनार के माध्यम से विद्यार्थियों को करियर चुनने की दी जानकारी

- न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल में भविष्य के लिए करियर मार्गदर्शन सेमीनार का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल में आयोजित सेमीनार में भाग लेते विद्यार्थी।

न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल यमुनानगर में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए एक कैरियर मार्गदर्शन सेमीनार का आयोजन किया गया। हिमालयन ग्रुप ऑफ इंस्ट्रीट्यूट की टीम ने विद्यार्थियों को सेमीनार में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

इस दौरान विद्यार्थियों को कॉलेज के पूरे कैंपस का वर्चुअल भ्रमण भी करवाया। विद्यार्थियों को नर्सिंग विभाग, बी फार्मा, बीटेक, लाइब्रेरी एवं अन्य सभी लैब में वर्चुअल रीऐलिटी के माध्यम से ले जाकर वहां के सभी उपकरणों एवं कार्यविधि की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। सभी विद्यार्थियों को समय की महत्वता को समझाते हुए बताया गया कि वह किस प्रकार अपनी रुचि के अनुसार अपना करियर चुन सकते हैं। कॉमर्स स्ट्रीम के विद्यार्थियों को एलएलबी व आज के समय में एई आर्टीफिशल इंटेलिजंस में शानदार कैरियर ऑप्शन्स की जानकारी दी गई। सभी बच्चों को भविष्य के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने के लिए प्रेरित किया तथा सभी विभागों के प्रमुखों ने विद्यार्थियों को उनके आने वाले भविष्य के प्रति उत्साहित एवं प्रेरित किया एवं अपने जीवन अनुभव भी साझा किया। स्कूल की मुख्याध्यापिका डॉक्टर बिंदु शर्मा ने कॉलेज के चेयरमैन एवं सभी स्टाफ सदस्यों का इस कैरियर मार्गदर्शन सेमीनार को आयोजित करने एवं विद्यार्थियों को उनके भविष्य के बारे में मार्गदर्शन देने के लिए आभार व्यक्त किया।

महिला बास्केट बॉल टीम का चैंपियनशिप पर कब्जा

- विजेता टीम का गुरु नानक खालसा कॉलेज में पहुंचने पर किया जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। गुरु नानक खालका कॉलेज में विजेता टीम प्राचार्य व स्टॉफ सदस्यों के साथ खुशी जताते हुए।

गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर की महिला बास्केटबॉल टीम ने केयू इंटर कॉलेज बास्केटबॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। विजेता टीम का शनिवार को कॉलेज में पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. मेजर एचएस कंग समेत स्टॉफ सदस्यों ने जोरदार स्वागत किया। कॉलेज प्रिंसीपल डॉ. मेजर एचएस कंग ने बताया कि उनके कॉलेज की टीम ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आरकेएसडी कॉलेज कैथल, यूटीडी टीम और गवर्नमेंट कॉलेज इसराना टीमों के साथ मुकाबला करते हुए उन्हें पछाड़कर विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अकादमिक और खेल दोनों में उत्कृष्टता के प्रति हमारे कॉलेज की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मौके पर कॉलेज के डीन डॉ. बोधराज और शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रमुख डॉ. रणजीत सिंह ने पूरे टूर्नामेंट में उनकी दृढ़ता और खेल कौशल पर प्रकाश डालते हुए टीम के प्रदर्शन की सराहना की। कोच डॉ. जोशप्रीत सिंह ने टीम की सफलता का श्रेय उनके कठोर प्रशिक्षण और एकता को दिया। कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सरदार रणदीप सिंह जौहर ने टीम को हार्दिक बधाई दी और उनकी जीत को समग्र विकास के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि कॉलेज विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों और गतिविधियों का समय समय पर आयोजन करने में मुख्य भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर डॉ.कमलप्रीत कौर, डॉ. संजय विज, डॉ. अरुण, डॉ. अमरजीत सिंह आदि ने विजेता टीम को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

निगम क्षेत्र की 58 हजार संपत्तियां की जा चुकीं दुरुस्त

- नगर निगम की संयुक्त निगम आयुक्त नीलम मेहरा ने संपत्ति सत्यापन कार्य में लगे कर्मियों की बैठक में दिए दिशा निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। संपत्तियां सत्यापित करने के कार्य में लगे कर्मचारियों को दिशा निर्देश देते हुए संयुक्त निगमायुक्त नीलम मेहरा। फोटो: हरिभूमि

नगर निगम क्षेत्र की अब तक 58 हजार से अधिक संपत्तियां सत्यापित हो चुकी है। संपत्तियां शत प्रतिशत सत्यापित करने के लिए निगम कर्मी घर घर जाकर व शिविर आयोजित कर शहरवासियों की संपत्तियां सत्यापित कर रहे हैं। उक्त जानकारी शनिवार को निगम की संयुक्त निगमायुक्त नीलम मेहरा ने संपत्ति सत्यापित कार्य में लगे कर्मचारियों की आयोजित बैठक के दौरान दी। संयुक्त निगमायुक्त नीलम मेहरा ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर की सभी संपत्तियों को सत्यापित किया जाएगा। जिन शहरवासियों की संपत्ति सत्यापित नहीं हुई है। वह घर घर जा रहे निगम कर्मचारियों से अपनी संपत्ति सत्यापित कराएं। जो व्यक्ति अपनी संपत्ति सत्यापित नहीं कराएगा। उसे बाद में निगम कार्यालय में आकर यह कार्य करना पड़ेगा। उन्होंने सभी शहरवासियों से डोर टू डोर जा रहे निगम कर्मचारियों से अपनी संपत्ति सत्यापित करवाए जाने की अपील की। मेहरा ने कहा कि यदि संपत्ति डाटा में कोई गलती है तो उसे जरूर ठीक करवाएं। ताकि उन्हें भविष्य में किसी समस्या का सामना ना करना पड़े।

ससौली में 29 अप्रैल को शिविर का आयोजन

निगमायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि 29 अप्रैल को वार्ड 20 में ससौली के सरकारी स्कूल में संपत्ति सत्यापित शिविर लगाए जाएंगे। इसी तरह 30 अप्रैल को वार्ड 21 के कांसापुर स्थित परशुराम भवन में और एक मई को 22 वार्ड के कन्हैया चौक स्थित नगर निगम कार्यालय में संपत्ति सत्यापित शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में संपत्ति धारकों की संपत्तियों को सत्यापित किया जाएगा। साथ ही त्रुटियां ठीक करने के लिए आपत्तियां दर्ज की जाएगी।

अंश बने मिस्टर फाइनल व रिया बनी मिस फाइनल

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

- महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में बीसीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का हुआ आयोजन

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय जगाधरी में बीसीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने बीसीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जूनियर्स ने अपने सीनियर्स के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों समेत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। विदाई समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. करुणा ने दीप प्रज्जवलित करके किया। प्राचार्या डॉ. करुणा ने बीसीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को समझाया कि वह संस्थान से विदा नहीं हो रहे हैं, बल्कि वह जहां भी जाएंगे। उन संस्थानों में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के दीप बनकर प्रज्जवलित होते रहेंगे। मौके पर बीसीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, संगीत, फैशन शो व मॉडलिंग समेत अन्य गतिविधियों में प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मौके पर बीसीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की प्रतियोगात्मक गतिविधियों को अंजाम देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने जूनियर्स साथियों का विदाई समारोह आयोजित करने के लिए धन्यवाद किया। । जिनमें से उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को टाइटल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान छात्र अंश को मिस्टर फाइनल व छात्रा रिया को को मिस फाइनल का खिताब देकर सम्मानित किया गया। मौके पर समारोह के प्रभारी प्रोफेसर रणदीप सिंह ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में मैडम डीन्की, मैडम नेहा का सहयोग सराहनीय रहा।

भगवान श्रीराम की महिमा का किया बखान

- रादौर के धौलरा में चल रही सात दिवसीय श्रीराम कथा का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

यमुनानगर। धौलरा में चल रही श्रीराम कथा के समापन पर भगवान श्रीराम की महिमा बताते हुए कथाव्यास धनंजय शास्त्री।

रादौर के गांव धौलरा स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन भगवान बलभद्र मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीराम कथा का शनिवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर कथावाचक धनंजय शास्त्री ने कार्यक्रम में आए श्रद्वालुओं को भगवान श्रीराम की महिमा बारे विस्तार से जानकारी दी। मौके पर भंडारे का आयोजन किया गया। कथाव्यास धनंजय शास्त्री ने फरमाया कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरूषोत्म थे। जिन्होंने अपने पिता के वचनो की लाज रखने के लिए 14 वर्ष का वनवास काटा। भगवान श्रीराम ने रावण का अंत कर धर्म की स्थापना की थी। राक्षसों का वध कर ऋषि मुनियों को राक्षसों के आंतक से मुक्ति दिलाई थी। उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत का काम करता है। हमें उनकी तरह पाप व भ्रष्टाचार का नाश करने के लिए आगे आना चाहिए। तभी हम समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा दे सकते हैं। इस अवसर पर श्रद्वालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मौके पर सरपंच धौलरा सतीश कुमार, सतीश चौधरी, संजू धौलरा पूर्व सरपंच, कर्म सिंह ढिल्लो,जसबीर सिंह धौलरा, दलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में लगाया गया पुस्तक मेला

मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं पुस्तकें : सिंह

- विद्यार्थियों को पुस्तकों की खरीद पर कुछ छूट भी प्रदान की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

यमुनानगर। दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित पुस्तक मेले में किताबों का चयन करते विद्यार्थी व अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

दिल्ली पब्लिक स्कूल में स्कॉलैस्टिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। पुस्तक मेले का उद्घाटन विद्यालय की प्रधानाचार्या मनीषा सिंह द्वारा किया गया। पुस्तक मेले में विद्यार्थियों को इतिहास, भूगोल, ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, यात्रा, धर्म, भाषा, जीवन वृतांत आदि विषयों की पुस्तकै उपलब्ध करवाई गई। पुस्तक मेले में विभिन्न स्टॉलों पर पुस्तकों को बढ़े ही आकर्षक ढंग से सजाया गया था। विद्यार्थी अपनी रूचि, योग्यता और आवश्यकता के अनुसार अपने लिए पुस्तकों का चुनाव कर सकते थे। विद्यार्थियों को उनके पुस्तकालय कालांश के दौरान पुस्तक मेले में ले जाया गया। उन्होंने अपनी रूचि अनुसार अपनी पसंद की पुस्तकों का चयन किया। विद्यार्थी इस पुस्तक मेले को लेकर अत्यधिक उत्साहित दिखे। इस पुस्तक मेले में विद्यार्थियों को पुस्तकों की खरीद पर कुछ छूट भी प्रदान की गई।

पुस्तक मेले में विभिन्न गतिविधियां करवाई गई

स्कूल प्रधानाचार्य मनीषा सिंह ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं। इनमें हर विषय का ज्ञान भरा होता है। ये मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं और एक सच्चे पथ प्रदर्शक का काम करती हैं। सभी तक ये पुस्तकें सुगमता से पहुँच सकें। इसके लिए समय-समय पर पुस्तक मेलों का आयोजन किया जाता है। पुस्तकें हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम पुस्तकों का प्रचार-प्रसार बढ़ाएं, उनके अध्ययन में रूचि लें और उनसे अधिकाधिक लाभ उठाएं। पुस्तक मेले में विभिन्न गतिविधियां भी करवाई गई। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अलावा इस पुस्तक मेले में आने वाले अभिभावकों के लिए भी प्रश्नोश्री का आयोजन किया गया।

खबर संक्षेप

सीएम ने पृथ्वी सिंह के निधन पर जताया शोक

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने भाजपा के जिलाध्यक्ष रवि बतान के ससुर पृथ्वी सिंह तुर्क के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह व शहरी स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा स्वर्गीय पृथ्वी सिंह तुर्क के आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने स्वर्गीय पृथ्वी सिंह तुर्क के बेटे विद्या भारती के क्षेत्र प्रचार प्रमुख एवं हम फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय चौधरी, दामाद भाजपा जिलाध्यक्ष रवि बतान सहित अन्य परिजनों के साथ दुख साझा किया।

एडवोकेट गुप्ता को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया लॉयर्स फोरम के प्रदेश महासचिव, कानूनविद् एवं समाजसेवी अधिवक्ता एडवोकेट अंकित गुप्ता को विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग द्वारा दिल्ली में डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। कार्यक्रम में भारतीय विदेश मंत्रालय से संबंद्ध आयोग के संसदीय सचिव व गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री व संसदीय सदस्य फ्रांसिस्को सारदीन्हा, आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष तपन कुमार राऊतरे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

हरियाणा कमेटी के मैंबर दुनियामाजरा का निधन

कुरुक्षेत्र। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के मैंबर जसवंत सिंह दुनियामाजरा का गत देरसाय आकस्मिक देहांत हो गया। वे कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शहर के श्रीबाला जी आरोग्यम अस्पताल में उपचार के दौरान उन्होंने शुक्रवार देरसायं आखिरी सांस ली। उनके निधन पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुदर्शन सिंह सहगल, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना, संयुकत सचिव गुलाब सिंह मुनक, धर्म प्रचार विंग के चेयरमैन जत्थेदार बलजीत सिंह दादूवाल, स्पोकसमैन कवलजीत सिंह अजराना, मैंबर टीपी सिंह सहित कई शैक्षणिक, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीति दलों के प्रतिनिधियों ने शोक प्रकट किया।

मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त संसाधनों की करें व्यवस्था

कुरुक्षेत्र। जिला निर्वाचन अधिकारी शांतनु शर्मा ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव-2024 के दौरान हीटवेव के प्रभाव को देखते हुए जिले के सभी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारियों/प्रेजाइडिंग अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मतदाताओं को सीधी धूप से बचाने के लिए पर्याप्त छाया, बैठने और पंखों की व्यवस्था की जाए। शांतनु शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों जैसे कमजोर मतदाताओं को विशेष सहायता दी जानी चाहिए।

अनियमितता से संबंधित शिकायतों पर की कार्रवाई

बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, 11 सैंपल लिए

नकली व निर्धारित दरों से ज्यादा रेट में बीज बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। छापेमारी करती टीम। फोटो : हरिभूमि

कृषि विभाग के गुण नियंत्रक एसडीओ जितेंद्र मेहता की टीम ने अलग-अलग जगहों पर बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर औचक छापेमारी की। यह छापेमारी किसानों के माध्यम से बीजों को लेकर बरती जा रही अनियमितता से संबंधित मिली शिकायतों के आधार पर की गई है। गुण नियंत्रक एसडीओ जितेन्द्र मेहता ने कहा कि उपायुक्त के आदेशानुसार और उपनिदेशक के मार्गदर्शन में टीम के सदस्यों ने बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी करके 11 सैंपल लिए है।

इस जिले में बीजों की किस्मों को लेकर किसानों की तरफ से लगातार शिकायतें मिल रही थी। इन शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए उपायुक्त द्वारा आदेश जारी किए गए। इन आदेशों के अनुसार विशेष सैंपलिंग अभियान शुरू किया गया है, जो भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। अब इस जिले में अब तक बीजों के 47 सैंपल लिए गए है।कृषि विभाग द्वारा दुकानदारों का आह्वान किया गया है कि वे किसी भी बीज की बिक्री प्रिंट रेट से ऊपर ना करें।

जिले में ही करें बीज की बिक्री

दुकानदारों को यह भी निर्देश दिए गए है कि जिला में होने वाले बीज की बिक्री केवल जिले में ही करें। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने कुरुक्षेत्र जिले में अलग-अलग जगहों पर औचक छापेमारी करके बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों से बीजों के 11 सैंपल एकत्रित किए है। यह सैंपल किसानों के हित को जहन में रखकर लिए गए है। इन बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर सीजन के दौरान निरंतर कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण कर सैंपल लिए जाएंगे, अगर किसी भी स्तर पर बीजों की गुणवत्ता में कमी पाई या फिर निर्धारित दरों से ज्यादा रेट में बीजों की बिक्री की तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

गुरुकुल के छात्र फिर छाए

- 9 छात्रों ने हासिल किये 99प्लस परसेंटाइल, 45 छात्रों के 90 प्लस परसेंटाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जेईई मेन्स में गुरुकुल के 45 छात्रों ने 90प्लस परसेंटाइल हासिल कर नया कीर्तिमान बनाया है। जिससे पूरे गुरुकुल में जश्न का माहौल है। गुरुकुल प्रबंध समिति के प्रधान राजकुमार गर्ग, निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, प्राचार्य सूबे प्रताप, व्यवस्थापक रामनिवास आर्य ने जेईई मेन्स में छात्रों को मिली बड़ी कामयाबी पर कॉम्पिटेटिव विंग की पूरी टीम व छात्रों को बधाई दी। गुरुकुल के संरक्षक एवं गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने जेईई मेन्स में मिली सफलता पर गुरुकुल परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। निदेशक प्रवीण कुमार ने बताया कि गुरुकुल के कुल 45 छात्रों में 9 छात्र ऐसे हैं जिन्होंने 99 प्लस परसेंटाइल हासिल किये है जिनमें देव्यांश कुमार, आयुष राज गौरव राज, रिक्की हरी, मृत्युंजय श्रीवास्तव, अनुराग पराशर, मानव, आदित्य कुमार, उत्कर्ष शामिल है।

कुरुक्षेत्र। प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में आरती रही प्रथम

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एंड ऑनर्स स्टडीज में फाइन आर्ट्स क्लब द्वारा पहले सत्र में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा नशा मुक्ति व सामाजिक विषयों पर उत्कृष्ट पोस्टर बनाए। दूसरे सत्र में फाइन आर्ट्स क्लब द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें डीन फैकल्टी ऑफ इंडिक स्टडीज तथा ललित कला विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राम विरंजन ने विद्यार्थियों को फाइन आर्ट्स विषय की आधारभूत जानकारी दी गई तथा लैंडस्केपिंग, पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, रंगोली, स्कल्पचर, कैलीग्राफी, डूडल आर्ट, म्यूरल्स आदि विषयों पर गहनता से प्रकाश डाला। पोस्टर प्रतियोगिता में आरती ने प्रथम स्थान, मुस्कान ने दूसरा स्थान तथा वीनू बीए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सामाजिक उत्थान समारोह पांच को

कुरुक्षेत्र। पांचाल समाज का प्रदेश स्तरीय सामाजिक उत्थान समारोह पांच मई को करनाल में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए अखिल भारतीय पांचाल महासभा,करनाल के प्रधान चमन लाल व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवम कार्यक्रम प्रभारी कृष्ण चन्द पांचाल ने बताया कि समाज के इस कार्यक्रम में हरियाणा भर से पांचाल समाज के लोग शामिल होंगे। जिसमें अखिल भारतीय विश्वकर्मा पांचाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समाज रत्न, डॉक्टर वेद प्रकाश पांचाल मुख्य अतिथि होंगे और अजय पांचाल राष्ट्रीय महासचिव विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे।

छात्रा पलक सैनी ने जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

पिहोवा। छात्र पलक सनी को गोल्ड मेडल जीतने पर सम्मानित करते स्कूल के एमडी विपिन कहडा, प्रधानाचार्य शोबे मैथ्यू। फोटो : हरिभूमि

पिहोवा की बेटी एवम अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा पलक सैनी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जूडो में गोल्ड मेडल हासिल कर पूरे एशिया में देश का नाम रोशन किया है। चेयरपर्सन पूनम काहड़ा ने बताया कि केरल के कोच्चि में साउथ एशियन जूडो चैंपियनशिप में पलक ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराकर गोल्ड मेडल हासिल कर पिहोवा के साथ साथ अपने देश का भी नाम रोशन किया हैं ' कोच रामनिवास ने कहा कि पलक सैनी होनहार खिलाड़ी है। उसमें जीत का जज्बा रहता है।

पिछले महीने पटियाला में भारतीय टीम सिलेक्शन का ट्रायल था। जिसमें 10 महिला व पुरुषों ने ट्रायल दिया था। इनमें अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा पलक सैनी व पिहोवा की शिवानी का राष्ट्रीय टीम में चयन हुआ था।

इस प्रतियोगिता में बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव, नेपाल, भूटान व भारत सहित सात देशों ने हिस्सा लिया था। जिसमें पलक सैनी ने सीनियर वूमेन जूडो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया। मैनेजिंग डायरेक्टर विपिन काहड़ा ने पलक सैनी गोल्ड मैडल व कोच रामनिवास को पुष्प देकर सम्मानित किया। प्रिंसिपल शोबे मैथ्यू ने बताया कि पलक पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी नंबर एक पर है।

29 अप्रैल से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शांतनु शर्मा ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए कुरुक्षेत्र में 29 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस नामांकन प्रक्रिया के लिए प्रशासन की तरफ से सुरक्षा एवं व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है। इस नामांकन प्रक्रिया के दौरान सभी राजनैतिक दलों व प्रत्याशियों को आदर्श आचार संहिता की सख्ती से पालना करनी होगी।

अहम पहलू यह नामांकन प्रक्रिया 6 मई 2024 तक जारी रहेगी। उपायुक्त शांतनु शर्मा शनिवार को देर सायं लघु सचिवालय उपायुक्त कार्यालय में नामांकन प्रक्रिया को लेकर जिला निर्वाचन कार्यालय की तरफ से आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यशाला में बोल रहे थे।

दीपिका को मिस व पंकज को मिस्टर का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहाबाद

मारकंडा नेशनल कॉलेज कला संकाय विभाग की ओर से रुखसत 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बी.ए तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए द्वितीय वर्ष के छात्रों ने शानदार पार्टी का आयोजन किया, जिसमें लगभग 130 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उनके साथ कला संकाय के सभी प्रोफेसर और नॉन टीचिंग के कर्मचारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ अशोक कुमार को कार्यक्रम संयोजिका डॉ शालिनी शर्मा एवं तृतीय वर्ष के छात्रों ने एक पौधा भेंट किया। संयोजिका डॉ शालिनी शर्मा ने रुखसत 2024 के बारे में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के जीवन में कुछ मीठी यादें देकर जाते हैं, जो आने वाले जीवन में उनके काम आती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उदेश्य है कि हम अपने विद्यार्थियों को विदा करते समय उनके लिए कुछ आशीर्वाद पुरस्कार के रूप दें। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉक्टर अशोक कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन से विद्यार्थी प्रबंध करना सीखते हैं। उन्होंने सज सज्जा की प्रशंसा करते हुए सफल आयोजन के लिए संयोजिका डॉक्टर शालिनी शर्मा को बधाई दी। उन्होंने रुखसत हो रहे विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए अनुशासन में रहने को लेकर भी उन्हें बधाई दी। इसके बाद बीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए खूबसूरत टाइटल्स दिए। संयोजिका डॉक्टर शालिनी ने बताया कि कार्यक्रम को सफल एवं मनोरंजक बनाने में द्वितीय वर्ष ने अद्भुत भूमिका निभाई, जिसमें राजन, अंकुश, ईशा, ऋतिक इत्यादि प्रमुख रहे।

विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से परिचित करा शपथ ग्रहण दिलाई

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साहब के दिशानिदेशों एवं मार्गदर्शन में एवं पुलिस अधीक्षक पंखुड़ी कुमार के आदेश से हरियाणा भर में नशे के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्रवाई हो रही। इसके साथ ही नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम हो रहे हैं। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा आज पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र से साइकिल पर नशे के विरुद्ध सन्देश लेकर लोगों को जागरूक करते हुए निकले। उन्होंने न केवल नशे से दूर रहने का सन्देश दिया अपितु पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिल की सवारी को अपनाने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया। वे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पहुंचने और विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का सन्देश दिया।

आर्ट इंटीग्रेशन पर क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाडवा

लाडवा। कार्यशाला में उपस्थित विभिन्न स्कूलों से आए हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल,धनौरा-लाडवा ने अपने सेमिनार हॉल में आर्ट इंटीग्रेशन पर एक क्षमता वर्धन कार्यशाला की मेजबानी की। सीबीएसई से रिसोर्स पर्सनस शीतल शर्मा और रेखा चौहान ने शिक्षकों को कला एकीकरण के उद्देश्यों और रूपों के बारे में जानकारी दी।

विभिन्न विषयों में कला को एकीकृत करना, डिजाइन तैयार करना, उसका अभ्यास करना और उसे लागू करने की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षकों को रचनात्मक लेखन, भारतीय पारंपरिक कहानी कहने, नृत्य, फोटोग्राफी, रोल प्ले, वीडियो, संगीत और पेंटिंग सहित कला के विभिन्न रूपों से अवगत कराया।

विभिन्न विषयों के साथ कला का एकीकरण छात्रों का ध्यान आकर्षित करता है और उन्हें रचनात्मक कार्यों में शामिल करता है। विद्यालय के संरक्षक इंजि. प्रवीण गुप्ता, सचिव रविन्द्र बंसल और प्रिंसिपल धर्मेंद्र खेड़ा के साथ-.साथ वाइस-प्रिंसिपल नरेंद्र शर्मा ने रिसोर्स पर्सन्स को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कुरुक्षेत्र। विजेताओं को सम्मानित करते अतिथिगण। फोटो : हरिभूमि

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में स्नेहा रही प्रथम

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस आईआई एंड एच एस द्वारा पोस्टर एवं नारा लेखन प्रतियोगिता नशा मुक्ति शीर्षक के तहत करवाई गई । मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो रीटा दलाल ने प्रतिभागियों की गतिविधियों को सराहा और नशा मुक्ति अभियान जारी रखने के लिए प्रेरित किया ! यूथ रेडक्रॉस आई आई एंड एच एस की काउंसलर प्रो निरुपमा भट्टी ने रेड क्रॉस के इतिहास एवं नियमित गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य, सेवा एवं भाईचारे के लिए युवाओं को महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के लिए प्रेरित किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रियंका प्रथम, मुस्कान द्वितीय व राधिका तृतीय रही। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में स्नेहा प्रथम, रुद्र व सुप्रीति द्वितीय एवं तमन्ना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। निर्णायक मण्डल की भूमिका प्रो राम विरंजन सिंह, डॉ ज्ञान चहल वा मंजू नरवाल ने की। इस अवसर पर प्रो. निरुपमा भट्टी सहित लगभग 100 से भी ज्यादा स्वयं सेविकाये व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

किड्जी स्कूल में रैड-डे मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

किड्जी, किड्स प्लेनेट प्रेम पब्लिक स्कूल सेक्टर-3 कुरुक्षेत्र में रैड-डे मनाया गया। जिसमें लाल रंग संबंधित वस्तुएं, खिलौने फल, सब्जियों का प्रस्तुतीकरण विद्यार्थियों के सामने किया गया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य छात्रों को लाल रंग के महत्व के बारे में बताना था। इस अवसर पर बच्चों ने लाल रंग का इस्तेमाल कर उनकी सुंदरता को और भी बढ़ाया और खूब मौज एवं मस्ती की।

विद्यालय के प्रबंधक परमिंदर सिंह बाठ ने लाल रंग के महत्व को बताते हुए कहा कि लाल रंग ऊर्जा, साहस, महत्वाकांक्षा, क्रोध, उत्तेजना, उत्साह और पराक्रम का भी प्रतीक है। धार्मिक दृष्टि से भी लाल रंग का अत्यधिक महत्व है। देवी साधना में यह बेहद महत्वपूर्ण है। लाल रंग महत्वकांक्षा और दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देता हैं।लाल रंग सबसे तीव्र रंग होता है जो ध्यान आकर्षित कर सकता है और जुनून, प्रेम या क्रोध जैसी मजबूत भावनाओं को दिखा सकता है. कलर एनालिस्ट शक्ति, साहस और खतरे के रंग के रूप में भी लाल रंग को मानते हैं. लाल रंग भूख बढ़ाने में कारगर होता है. लाल रंग स्फूर्तिदायक, उत्तेजक, जीवंत, रोमांचक और प्रेरक है। छात्रों के बीच लाल रंग के गुब्बारे भी बांटे गए। स्कूल के सभी विद्यार्थी और अध्यापिकाएं लाल रंग की वेशभूषा में बहुत आकर्षक लग रहे थे।

मनोकामना सिद्ध शिव मंदिर में वार्षिकोत्सव का आयोजन

रामनाम रूपी बैंक बैलेंस आवश्यक : तुलसी महाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानेसर

अमीन रोड स्थित पटियाला बैंक कॉलोनी के मनोकामना सिद्ध शिव मंदिर वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में चल रही श्रीराम कथा के चतुर्थ दिवस पर कथाव्यास संत तुलसी महाराज (अयोध्या धाम) ने श्रीराम जन्म प्रसंग बहुत ही सुंदर शब्दों में भजनों सहित सुनाया। इस अवसर पर राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बतौर मुख्यातिथि व्यासपीठ की पूजा करके कथा श्रवण की। आयोजक पंडित उमेश पाठक और आयोजन समिति सदस्यों ने सुधा को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

इससे पूर्व मुख्य यजमानों बी एन शर्मा,सुनील सिंगला,एम के खन्ना,दर्शन पुरी,विनोद सिंगला,विशेष गर्ग,राहुल सिंगला,उमाशंकर और अश्वनी मित्तल ने श्रीराम कथा का पूजन किया। प्रवचनों में तुलसी महाराज ने बताया कि ब्रह्मा जी के पुत्र दरीची, दरीची के पुत्र महर्षि कूर्म कश्यप के वंश से जो सूर्यवंश हुआ उसी के इक्षवाकु कुल में श्री राम का जन्म हुआ। प्रभु श्रीराम कौशल नरेश महाराज दशरथ और रानी कौशल्या के सबसे बड़े पुत्र, सीता के पति व लक्ष्मण, भरत तथा शत्रुघ्न के भ्राता थे।

परम भक्त थे हनुमान

हनुमान उनके परम भक्त है। पुराणों में राम जी की प्रतिष्ठा मयार्दा पुरुषोत्तम के रूप में है क्योंकि उन्होंने मयार्दा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता तक का त्याग किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में रामनाम रूपी बैंक बैलेंस भी आवश्यक है। श्रीराम कथा की आरती में पंडित गोविंद वैद्य,अरुण मिश्र,अरुंजय और श्याम जुनेजा सहित सहयोगियों, कालोनीवासियों सहित महिलाएं शामिल रहीं।

खबर संक्षेप

गांव कंबासी से बुजुर्ग लापता

बराड़ा। गांव कंबासी से एक बुजुर्ग के लापता हो जाने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव की महिला जय कौर ने बताया कि उसके ससुर मंसा राम को भूलने की बीमारी है। 24 अप्रैल को वह शाम को घर से अपनी लडक़ी तारो के घर गांव बाड़ा में जाने की बात कहकर निकले थे लेकिन वहां पर नहीं पहुंचे। उन्होंने अपने तौर पर तलाश की लेकिन उनके बारे में कुछ भी पता नहीं चल सका। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव घेलखूर्द से युवक लापता

अंबाला। गांव घेलखूर्द का सरवन कुमार 17 अप्रैल को घर से बिना बताए कहीं चला गया है जोकि अब तक घर वापिस नहीं लौटा है। परिजनों ने इस संबध में पुलिस को सरवन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच कर रहे मुख्य सिपाही विक्रम सिंह ने बताया कि गुमशुदा युवक सरवन की उम्र लगभग 30 साल, रंग गेहूंआ, लंबूतरा चेहरा, कद 5 फूट 8 इंच तथा उसने घर से जाते समय रंगदार कमीज, जींस व पैरों में जूते डाले हुए हैं।

कार्यकर्ताओं को पदमुक्त करने की शिकायत

अंबाला। इनेलो प्रदेश प्रवक्ता ओंकार सिंह ने कहा कि अंबाला छावनी में अनेक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भाजपा के सक्रिय पदाधिकारी भी हैं। ऐसे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ की चुनाव ड्यूटी लगाई जाती है तो वे निष्पक्ष कार्य नहीं करेंगे। इसके कारण चुनावों की निष्पक्षता प्रभावित होना तय है इसलिए इन्हे या तो पदमुक्त कर देना चाहिए या फिर ये सक्रिय राजनीति से दूर हो जाएं।

सरकारी स्कूल से मिड-डे मील राशन तथा बर्तन चोरी

जींद। राजकीय स्कूल अलेवा का बीती रात चोरों ने ताला तोड़ कर मिड-डे मील तथा राशन को चोरी कर लिया। स्कूल मुखिया की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अलेवा राजकीय स्कूल के मुखिया कर्म सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया की बीती रात चोरों ने स्कूल के मिड-डे मील कमरे का ताला तोड़ कर मिड-डे मील, बर्तन व अन्य सामान को चोरी कर लिया।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाला पति भेजा जेल

जींद। सदर थाना पुलिस ने पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपित पति को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गांव बाहरी करनाल निवासी रामस्वरूप ने 18 अगस्त 2023 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी बेटी कविता की शादी वर्ष 2007 में कृष्ण के साथ हुई थी। जिसके बाद घरेलू कलह के चलते कविता सात साल तक मायके रही।

स्कूल में हुई सुलेख प्रतियोगिता आयोजित

जींद। डीएन मॉडल स्कूल में सभी बच्चों में लिखने के प्रति रुझान पैदा करने के लिए सामूहिक सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा छठी से कक्षा आठवीं तक के सभी बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। सुलेख प्रतियोगिता को लेकर बच्चों में उत्साह और जोश दिखाइ दिया।

परिवहन मंत्री असीम गोयल ने किसानों को आश्वस्त करने का किया प्रयास

भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया का दो जगह विरोध, किसानों ने सुनाई खरी खरी

तंदवाल में बंद पड़ी ट्रेनों को लेकर लोगों ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया का भी विरोध शुरू हो गया। प्रचार के दौरान बंतो को दो जगह ग्रामीणों ने खरी खरी सुनाई। ग्रामीणों से वोट मांगने के लिए बंतो कटारिया निरंतर प्रचार कर रही है। एक जगह तो विरोध के दौरान किसानों ने बंतो से तीखे सवाल किए। इस दौरान बंतो हाथ जोड़ खड़ी हो गई।

दरअसल किसानों ने बंतो कटारिया को प्रचार के दौरान माजरी गांव में घेर लिया। यहां भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह के जिला अध्यक्ष गुरमीत सिंह माजरी समेत अन्य किसानों ने बंतो से पूछा कि अंबाला में आपदा आई थी तो उस वक्त आप कहां थे? किसान दिल्ली जा रहे थे तो हरियाणा सरकार ने क्यों जुल्म किया ? किसानों को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी मामले में अभी तक कार्रवाई न होने को लेकर भी सवाल पूछे गए। इस दौरान परिवहन राज्य मंत्री असीम गोयल भी बार-बार किसानों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने किसानों को लिखित रुप में अपनी मांग देने का भी आग्रह किया। इस मौके पर उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा समेत अन्य भाजपा नेता व वर्कर्स भी उपस्थित थे। किसान नेता गुरमीत सिंह माजरी ने कहा कि पुलिस-प्रशासन किसानों पर भाजपा प्रत्याशियों के कार्यक्रम कराने का दबाव बना रहा है। किसान अपने हकों की आवाज भी नहीं उठा सकते। उन्होंने कहा कि जो किसानों की कातिल सरकारों का कार्यक्रम कराएगा वह भी उसका भागीदार होगा। उन्होंने किसानों से भाजपा प्रत्याशियों का गांव पहुंचने पर विरोध करने की बात । बता दें कि इससे पहले पंचकूला में भी बंतो कटारिया से किसान ने सवाल पूछे थे। यहां पुलिस ने किसानों को पहले ही रोक लिया था।

अंबाला। भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया का विरोध करते किसान।

तंदवाल में भी कटारिया का हुआ विरोध

बराड़ा। कोरोना काल से बंद पड़ी लोकल ट्रेनों को लेकर मुलाना विधानसभा के गांव तंदवाल में भी भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया को ग्रामीणों ने खरी खरी सुनाई। प्रचार के लिए जब कटारिया तंदवाल पहुंची तो उन्हें ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम के दौरान जब भाजपा नेता बंतो कटारिया ने बोलना शुरू किया तो ग्रामीणों ने उन्हें बीच में ही टोक दिया। फिर कोरोना काल से बंद पड़ी लोकल ट्रेनों का मुद्दा उठा दिया। ग्रामीणों का कहना था कि वह पिछले काफी समय से कोरोना काल से बंद पड़ी ट्रेनों को दोबारा चलवाने का मुद्दा उठा रहे है लेकिन किसी भी भाजपा नेता ने उनकी सुध नहीं ली। ग्रामीणों ने कहा कि वह सब अपनी समस्या को इलाके के लगभग सभी भाजपा नेताओं के पास जा चुके है लेकिन उनकी किसी ने भी कोई सुनवाई नहीं की। इससे ग्रामीण खासे नाराज दिखे। ग्रामीणों ने भाजपा प्रत्याशी से ग्रामीणों पर रेलवे द्वारा दर्ज केस खारिज करने की भी मांग की। इस पर बंतो कटारिया ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। विरोध की वजह से ग्रामीणों ने कार्यक्रम से दूरी बनाई रखी। इसी वजह से कार्यक्रम फ्लॉप हो गया।

अंबाला। सेमीनार के दौरान मौजूद शिक्षक।

नई शिक्षण नीति के लिए खुद को तैयार करें शिक्षक

- सीबीएसई की ओर से आयोजित सेमीनार का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित साइंस विषय से सम्बंधित अध्यापकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य विभिन्न शिक्षा प्रणालियों द्वारा बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना। स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. विकास कोहली ने इस अवसर पर कहा कि इस तरह के सेमिनारों के आयोजन का मुख्य उदेश्य यह है कि अध्यापकों को भविष्य में आने वाले समय के अनुसार तैयार किया जा सके और वे बच्चों को नई शिक्षण पद्धति के अनुसार पढ़ाई करवा सके। अध्यापन में आधुनिक तकनीक के प्रयोग से शिक्षण अधिगम को अधिक संजीव बनाकर छात्रों की विचार शक्ति , तर्कशक्ति , निरिक्षण शक्ति व एकाग्रता को विकसित करना है। आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर छात्रों में उच्च मानसिक योग्यताओं व क्षमताओं का विकास करना होता है। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन डॉ. सुमिता ठाकुर व श्रीमती ज्योति बेलवाड़ी ने सेमीनार के दूसरे दिन नवीन दृष्टिकोण विषय के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। इसमें बहुत सी आधुनिक शिक्षा पद्तियों का आयोजन करवाकर अध्यापकों को उससे अवगत करवाया गया। उन्होंने विद्यार्थियों में तकनीक पर आधारित नवीन शिक्षण-पद्धति को बढ़ावा देना , निर्धारित पाठ्यक्रमों के माध्यम से मानवीय मूल्यों को विकसित करना, पाठ का सूक्ष्म एवं सम्पूर्ण बोध, श्रवण-लेखन एवं वाचन कौशल के निरंतर आंकलन द्वारा छात्राओं की वाचन कौशल की क्षमता को विकसित करना और उसका विकास करना आदि के बारे में विस्तार से विचार विमर्श किया गया ।

पैसे डबल करने के लालच में पांच लाख की ठगी, केस दर्ज

अंबाला। पैसे डबल करने का लालच देकर युवक के दो खाते खाली कर दिए। शातिर ठगों ने पहले युवक को वॉट्सऐप पर मैसेज किए। उसके बाद टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ नए-नए टास्क दिए और बार-बार पैसे निवेश करा 5 लाख रुपए से अधिक रकम हड़प ली। पीड़ति ने साइबर थाने में शिकायत सौंपी है। गांव टमनोली के कुलविंदर सिंह ने बताया कि 4 मार्च को उसके पास वॉट्सऐप पर मैसेज आए। शातिर ठग ने उसके मोबाइल में टेलीग्राम ऐप डाउनलोड कराई। उसके बाद ठग ने टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने पर डबल पैसे का लालच दिया। उसने बताा कि शातिर ठग ने 8 मार्च को 8 बार में 5 लाख 2 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। उसने पहली बारी में 3 हजार, दूसरी में 9 हजार, इसी प्रकार 1.30 लाख, 95 हजार, 98 हजार, एक लाख, 35 हजार व 32 हजार ट्रांसफर किए।

अफीम तस्करी में कैंटर चालक काबू, एक किलोग्राम अफीम जब्त

अंबाला। सीआईए वन ने अफीम तस्करी के मामले में एक युवक को काबू किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक किलोग्राम अफीम जब्त की है। अब पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। एसपी जश्नदीप सिंह रंधावा के मुताबिक थाना मुलाना क्षेत्र चाचा भतीजा ढाबा दोसडका के पास अफीम की खेप पहुंचने की सूचना मिली थी। इसी आधार पर सीआईए वन ने यहां नाकाबंदी कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान ही पुलिस ने यहां से आरोपी राजबीर सिंह का काबू किया। राजबीर पंजाब के फतेहगढ़ साहिब की ख्वाजापीर कॉलोनी का रहने वाला बताया है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलोग्राम अफीम जब्त की। आरोपी ने यह अफीम कैंटर के अंदर छुपाई हुई थी। अब पुलिस ने आरोपी को 5 दिन के रिमांड पर लिया है। पता चला है कि आरोपी नशा तस्करी का कार्य करता है। अफीम सप्लाई के लिए वह दोसड़का के पास खड़ा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

- पांच दिन के रिमांड पर लिया

हादसे में राजमिस्त्री की दर्दनाक मौत

अंबाला। ट्रक की चपेट में आने से राज मिस्त्री की मौत हो गई। हादसा नारायणगढ़ से रायपुर रानी रोड पर गांव भूरेवाला के पास हुआ। मृतक की शिनाख्त पंचकूला के गांव भूरेवाला के निर्मल सिंह (33) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी ट्रक चालक मौके का फायदा उठा फरार हो गया। गांव भूरेवाला के मान सिंह ने बताया कि वह कालाअंब में सिक्योरिटी कंपनी में गार्ड की नौकरी करता है। उसके भाई निर्मल सिंह ने अभी शादी नहीं हुई थी। वह शुक्रवार को ड्यूटी जाने के लिए घर से निकला ही था। उसे पता चला कि उसके भाई निर्मल सिंह की बाइक का भूरेवाला के पास एक्सीडेंट हो गया है। उसने बताया कि उसका भाई किसी काम से रायपुर रानी की तरफ जा रहा था। बीच रास्ते उसके भाई की बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी।

पोस्टर मेकिंग में महिमा ने मारी बाजी

- छात्राओं को मतदान के लिए डॉक्यूमेंटर भी दिखाई गई
- छात्राओं को मतदान के सही व आवश्यक उपयोग पर ज्ञान दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

आर्य गर्ल्ज कॉलेज के प्रांगण में राजनीतिक शास्त्र व स्वीप सैल के द्वारा वोटर जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत छात्राओं को डॉक्यूमेंटरी दिखाई गई। इसमें छात्राओं को मतदान के सही व आवश्यक उपयोग पर ज्ञान दिया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य ने छात्राओं को मतदान के महत्व के बारे में बताया और कहा कि वोट डालना उनकी जिम्मेदारी है जिसका उनको अच्छे से पालन करना चाहिए और वोट की नैतिक प्रतिबद्धता को समझना चाहिए। मतदान प्रत्येक नागरिक का कितनी अधिकार है। हम सभी को वोट डालकर देश के प्रति अच्छे नागरिक होने का कर्त्तव्य पूर्ण करना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को अपना वोट देकर लोकतंत्र को मजबूत व कायम रखने को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में इस वोटिंग अभियान के दौरान जितनी भी प्रतियोगिताएं करवाई गई उनमें प्रतिभागी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जिसमें पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिग, डेक्लामेशन आदि प्रतियोगिता थी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अमनीत कौर, डॉ. रेखा, प्रो. गुरमीत, प्रो. सरस्वती व प्रो. आस्था के नेतृत्व में हुआ।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता पहला पुरस्कर महिमा व प्रिया को मिला। दूसरा पुरस्कार नेहा अली, शिल्पा पाठक, तृतीय पुरस्कार सिमरन व रूपमती को मिला। डेक्लामेशन प्रतियोगिता में निशा ने बाजी मारी। साक्षी दूसरे व अंजू तीसरे स्थान पर रही।

अंबाला। विजेता छात्राओं के साथ शिक्षक।

अंबाला। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों के साथ मौजूद प्राचार्य।

पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी को अर्पित किए गए श्रद्धा सुमन

अंबाला। मुरलीधर डीएवी सीनियर सैकेंडरी विद्यालय में प्रातः की प्रार्थना सभा में पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी को उनके जन्मोत्सव पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा के आयोजन में उनके जीवन पर खुला मंच प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने इस प्रश्नोत्तरी में बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर राधा रमन सूरी ने बताया कि पंडित गुरुदत्त विद्यार्थी स्वामी दयानंद के अनन्य शिष्य रहे हैं। जिन्होंने अल्प आयु में ही आर्य समाज के प्रति श्रद्धा भाव रखते हुए असाधारण लेखन व प्रचार के कार्य किए हैं। उनके द्वारा रचित पुस्तकों को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया था। प्रतियोगिता की आयोजन से चार दिन पहले उनके जीवन चरित्र पर विद्यार्थियों को समस्त जानकारी उपलब्ध करवाई गई जिसे व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सभी कक्षाओं में भेजा गया था। प्रश्नोत्तरी का संचालन करते हुए एक्टिविटी इंचार्ज गौरी वंदना का क्विज को रोचक बनाने का प्रयास पूर्ण रूप से सफल रहा।

नुक्कड़ नाटक से युवाओं को लोस चुनाव में वोट के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

महाराणा प्रताप नेशनल कॉलेज की एनएसएस यूनिट द्वारा सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम के अंतर्गत एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन गांव मुलाना में आयोजित करवाया गया। इस दौरान युवाओं तथा भविष्य के मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित कियया गया। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. राजश्री खरे ने कहा कि यह कार्यक्रम आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान सभी पात्र नागरिकों को मत देने और जागरूक निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. जयभगवान ने बताया कि नुक्कड नाटक का उद्देश्य भारत में सही मायनों में सहभागी लोकतंत्र का निर्माण करना है। इस नुक्कड़ नाटक में दर्शाया गया कि मतदाताओं को सही व्यक्ति का चुनाव करना चाहिए तथा दिखाया गया कि किस प्रकार से एक वोट से ही सरकार बनने से रह जाती हैं । एक ही वोट से सरकार बन भी जाती हैं। इस नाटिका में मुख्य भूमिका में मुस्कान, पिंकी, पुष्पा,जसविंदर कौर, राधिका, रिंकू, सनी व राहुल रहे। इस अवसर पर डॉ. शैली मनन, डॉ. आशुतोष शर्मा व नरेंद्र आदि रहे।

बराड़ा। नुक्कड़ नाटक में भाग लेते हुए प्रतिभागी।

बच्चों को प्रोत्साहित करें अभिभावक सफलता के बढ़ जाते हैं चांस

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते हुए अभिभावकगण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

शैमरॉक व शैमफॉर्ड स्कूल में नए सत्र के बच्चों के अभिभावकों के लिए पैरेंट्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय ए टू जेड पेरेंटिंग कौशल रहा। इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्या रूबी शर्मा ने स्कूल के सभी नियमों के साथ सफल अभिभावक बनने के लिए उनके दायित्वों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे के विकास में परिवार और घर के परिवेश का महत्वपूर्ण योगदान होता है। घर पर अपने बच्चों को प्रोत्साहित करने और उसका समर्थन करने से सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है। प्रधानाचार्या रूबी शर्मा ने सभी पेरेंट्स को एक फिल्म (हेलीकॉप्टर ईला) देखने के लिए जागरूक किया। अंत में प्रधानाचार्या रूबी शर्मा ने कार्यक्रम में आए हुए अभिभावकों को अपना कीमती समय निकालने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिक्षण प्रक्रिया में बदलाव करने के लिए किया प्रेरित

बराड़ा। शनिवार को सीआरसी में प्रिंसिपल राजबीर सिंह, बीआरपी वीरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सीपीआईयू बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्राइमरी कक्षाओं के शिक्षकों ने भाग लिया। एबीआरसी प्रवेश दहिया ने बैठक के पूर्व निर्धारित विषयों के बारे में सबके साथ चर्चा की जिसमें एफएलएन की कक्षाओं के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु बच्चों को हिंदी ,अंग्रेजी व गणित की दक्षताओं पर चर्चा, शिक्षक संदर्शिका का प्रयोग, अभ्यास पुस्तिका का प्रयोग, साप्ताहिक योजना, आंकलन करने की प्रक्रिया, ट्रैकर को भरने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर हुई। बैठक में टीचरों को पाठ योजना के अनुसार शिक्षण प्रक्रिया में बदलाव करने के लिए प्रेरित किया गया तो वहीं शिक्षण में पीछे रहे बच्चों को अतिरिक्त समय देकर उन्हें भी सामान्य बच्चों के स्तर पर लाने के टिप्स दिए गए एवं साथ-ही-साथ विभागीय निर्देशानुसार बढ़ती गर्मी में लू से बचाव हेतु अनुपालना सुनिश्चित करने, ड्रॉपआउट की संख्या जीरो करने के बारे में अपील की गई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

व्यापारियों ने चुनाव आयोग और चीफ जस्टिस को लिखा पत्र

शंभू रेलवे स्टेशन पर डटे किसानों की वजह से 73 ट्रेनें कैंसिल

- बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है रेल यातायात
- जल्द शंभू बॉर्डर खुलवाने की मांग, कहा चौपट हो गया कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

तीन किसानों की रिहाई के लिए शंभू रेलवे स्टेशन पर डटे किसानों की वजह से रेल यातायात बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान-मजदूर मोर्चा के आह्वान पर किसान पिछले 11 दिनों शंभू रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर बैठे हैं।उधर किसानों द्वारा सरकार को दिया हुआ अल्टीमेटम शनिवार को खत्म हो गया। जींद में हुई महापंचायत में किसान संगठनों ने हरियाणा सरकार को 27 अप्रैल तक का अल्टीमेटम दिया था। दूसरी ओर अंबाला शहर के व्यापारियों ने चुनाव आयोग व चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर शंभू बॉर्डर को खोलने की मांग की है। व्यापारियों ने कहा कि पहले कोविड, फिर बाढ़ और अब शंभू बॉर्डर बंद होने से धंधा चौपट हो चुका है। कहा कि अगर समस्या के हल नहीं निकला तो सभी व्यापारी दुकानें बंद कर सड़कों पर उतर जाएंगे। किसान आंदोलन के चलते रेलवे पर असर पड़ रहा है। रेलवे ने 28 अप्रैल तक 73 ट्रेनों को कैंसिल किया है। कई अन्य ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए तो कई ट्रेनों का शॉट टर्मिनेट करना पड़ा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 22 मई को मोर्चे को 100 दिन होंगे। उस दिन 22 मई को शंभू, खनौरी और डबवाली बॉर्डर पर लाखों की संख्या में किसान एकजुट होंगे। हरियाणा,पंजाब, हिमाचल और यूपी के किसानों से अभी से तैयारी करने की अपील की है। पंधेर ने कहा कि 1 मई को बॉर्डर पर मजदूर दिवस मनाया जाएगा। सहयोगी किसानों की रिहाई के लिए किसान सरकार को पहले भी 4 बार अल्टीमेटम दे चुके हैं। 9 अप्रैल को ट्रेन रोकने का ऐलान किया था। 10 अप्रैल को फिर उनकी चंडीगढ़ में हरियाणा और पंजाब सरकार के अधिकारियों के साथ मीटिंग हुई, जिसमें रिहाई का भरोसा मिला। फिर सरकार को 16 अप्रैल तक का समय दिया था।

अंबाला। शंभू रेलवे स्टेशन पर डटे किसान।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 28 अप्रैल 2024

स्पेशलः इंटरनेशनल डांस-डे, 29 अप्रैल

हाल के सालों में देश-विदेश में डांस को फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए बहुत उपयोगी गतिविधि माना जाने लगा है। यह तथ्य तो सही है ही, लेकिन डांस हमारे भीतर सकारात्मकता और संवेदनशीलता का संचार करता है, सौंदर्यबोध बढ़ाता है। डांस से हम बेहतर इंसान बनते हैं और जीवन को आनंद के साथ जीने के लिए आत्मप्रेरित भी होते हैं।

जीवन की लय पर पैरों की थिरकन

{ कवर स्टोरी / संध्या सिंह }

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कॉर्डियोलॉजी, जो कि एक गैरलाभकारी चिकित्सा संस्था है, उसके मुताबिक डांस यानी नृत्य गंभीर हृदय रोगी को भी जीवनदान दे सकता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डांस सामान्य जीवन की कितनी सकारात्मक गतिविधि है। समाजशास्त्रियों से लेकर मनोचिकित्सकों तक और हृदय रोग विशेषज्ञों से लेकर सामान्य लोगों तक का मानना है कि डांस हमारे फिट रहने का सबसे आसान और सरस तरीका है।

स्वास्थ्य के लिए संजीवनी

नृत्य अपने आप में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इसलिए इसका महत्व इस लिहाज से बहुत ज्यादा होता है। हालांकि नृत्य की अपनी एक सामाजिक दुनिया भी है और वह कम प्रभावशाली या कम महत्व की नहीं है। लेकिन ज्यादातर आम लोगों के लिए नृत्य के सर्वाधिक फायदे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से ही जुड़े होते हैं। आम लोगों के लिए नृत्य शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खजाने की तरह है। अमेरिकी हृदय स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नृत्य को मांसपेशियों की ताकत, भावनात्मक सहन शक्ति और फिटनेस की अपार संभावनाओं वाला केंद्र मानते हैं। मेडिकल निष्कर्षों के मुताबिक डांस करने से 70 से 80 फीसदी तक हृदय बिना और कोई उपाय किए स्वस्थ रहता है। डांस करने से दो दर्जन लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियां जैसे चिंता, डिप्रेशन, हाइपरटेंशन और एंजाइटी आपके पास नहीं फटकती हैं। रेग्युलर डांस करने वाले लोगों का शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य तो बेहतर होता ही है, उन्हें कभी ऑस्टियोपोरेसिस का खतरा नहीं रहता। इससे फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है और कभी वजन भी नहीं बढ़ता है।

बढ़ती है संवेदनशीलता-सकारात्मकता

आज के दौर में नृत्य एक बड़ा कारोबार और कई रचनात्मक कलाओं का केंद्र भी बन गया है। जितने भी परफॉर्मिंग आर्ट हैं, डांस उन सबका सेंटर प्वाइंट है। लेकिन नृत्य के ये संदर्भ उन कुछ रचनात्मक लोगों से ही हैं, जो नृत्य के लिए समर्पित हैं और नृत्य की लय को जीवन की लय मानते हैं। डांस करने से आत्मविश्वास में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी होती है। यह आपकी संज्ञानात्मक मेधा में वृद्धि करता है। डांस करने से शरीर में एक लयात्मकता आती है और भरपूर लचीलापन न सिर्फ शारीरिक अंगों मे बल्कि स्वभाव और संवेदना में भी दिखता है। डांस नए दोस्त बनाने में मददगार होता है और हमारे भीतर रचनात्मकता, आत्म अनुशासन और सहयोगात्मक रूप से काम करने की क्षमता विकसित करता है।

यह तो कहने की जरूरत ही नहीं है कि डांस हमारे भीतर सौंदर्यबोध को पैदा ही नहीं करता, उसमें वृद्धि भी करता है। इसीलिए माना जाता है कि एक डांसर की आंखें दुनिया का सृजन देखती हैं। अमेरिका में हुए एक शोध के मुताबिक प्रतिदिन एक घंटे डांस करने वाले लोग बहुत रेयरली किसी आपराधिक घटना में शामिल पाए जाते हैं। नियमित डांस करने वाले लोगों के दिल दिमाग में ऐसे हार्मोन पैदा ही नहीं होते, जो उन्हें किसी भी तरह की आक्रामकता या अपराध की तरफ उन्मुख करें। डांस में इस तरह की सकारात्मकता और संवेदना होती है, जो व्यक्ति को शांत और सौम्य बनाती है। हर डांस करने वाला व्यक्ति लगभग सभी रचनात्मक कलाओं में रुचि लेता है, क्योंकि डांस उसके मन की कंडीशन और 'स्टेट ऑफ माइंड' यानी मनःस्थिति को संवेदना से भर देता है।

एक लय में हो जाते हैं तन-मन

डांस करने वाले के दिमाग में कार्टीसोल नामक हार्मोन का स्तर बेहद कम होता है और ऑक्सीटोसिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है यानी फीलगुड हार्मोन की मात्रा बढ़ती है। इसीलिए इंसान द्वारा की जाने वाली सबसे खूबसूरत और खुशहाली से भरी गतिविधि डांस को माना जाता है। कहते हैं, डांस जानने वालों को संगीत की जानकारी स्वतः ही हो जाती है, क्योंकि डांस करने वालों का शरीर ही नहीं, मन भी लय में रहता है और लय संगीत के साथ सहजता से आत्मसात हो जाता है। दुनिया में डांस के अलावा दूसरी ऐसी कोई सक्रिय गतिविधि नहीं है, जिसमें तन और मन एक लय में हो जाते हों। इसीलिए डांस सीखने से कई अन्य कलाओं से भी लगाव बढ़ने लगता है। कहने का सार यही है कि डांस केवल एक कला नहीं, केवल स्वास्थ्य सुधारने का जरिया नहीं बल्कि जीवन को आनंद के साथ जीने की एक अद्वितीय शैली भी है। *

ऐसे हुई डांस-डे की शुरुआत

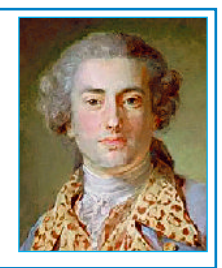

डांस के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर साल 29 अप्रैल को इंटरनेशनल डांस-डे मनाया जाता है, क्योंकि यह तारीख आधुनिक बैले डांस के जनक जीन-जॉर्जेस नोवरे का जन्मदिन है। 1727 को नोवरे इसी दिन पैदा हुए थे। इसलिए साल 1982 से इस दिन को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। हर साल नृत्य दिवस की एक थीम होती है और उस थीम का एक सांकेतिक महत्व होता है। जैसे साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस की थीम थी-नृत्य दुनिया के साथ संवाद करने का एक तरीका। जबकि इस साल नृत्य दिवस की थीम है-थिएटर और शांति की संस्कृति यानी साल 2024 के नृत्य दिवस की थीम विश्व रंगमंच को समर्पित है।

{ फिटनेस / शिखर चंद जैन }

मस्ती वाला वर्कआउट डांसरसाइज

इन दिनों डांस के साथ एक्सरसाइज यानी डांसरसाइज का ट्रेंड बढ़ रहा है। इनके डिफरेंट टाइप्स के जरिए अनेक यंगस्टर्स मस्ती के साथ खुद को फिट रख रहे हैं। क्या है डांसरसाइज, आप भी जानिए।

गर्मी के दिनों में सूरज सुबह-सुबह ही तेज चमकने लगता है, इसलिए पसीने और गर्मी के डर से घर से बाहर जाकर वर्कआउट करने का मन अकसर नहीं करता है। लेकिन शरीर के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। ऐसे में आप घर में ही पंखा/कूलर चलाकर बोर हुए बिना फुल मस्ती के साथ डांसरसाइज कर सकते हैं।

जाज डांसिंगः सुडौल पैर, जांघें और कमर के लिए जाज डांसिंग आपके लिए परफेक्ट है। इसमें आपको लीप्स, किक्स और जंप्स लेने होते हैं, जिनसे पैरों और जांघों की अच्छी खासी एक्सरसाइज हो जाती है। इससे न सिर्फ लचीलापन और शरीर का संतुलन दुरुस्त होता है बल्कि पोश्चर भी सही हो जाता है। इस डांस में हाथों के मूवमेंट भी खूब होते हैं, जिससे बाहों और हाथों का भी अच्छा वर्कआउट हो जाता है।

शिबामः 45 मिनट सेशन का यह डांस आधारित वर्कआउट विदेशों में सुपरहिट हो चुका है। इसमें लैटिन और हिप-हॉप साउंडट्रेक पर सिंपल डांस स्टेप्स परफॉर्म करने होते हैं। शिबाम की एक क्लास में 600 से ज्यादा कैलोरी तो बर्न होती ही है, साथ ही स्ट्रेस से भी राहत मिलती है। किसी कुशल ट्रेनर की देखरेख में इसकी कुछ क्लासेज अटेंड करने के बाद आप खुद ट्रेंड हो जाएंगे। शिबाम में डांस मूव्स को एरोबिक वर्कआउट के साथ ब्लेंड किया गया है। संगीत के साथ जब शरीर थिरकता है, तो आपको दोहरा लाभ मिलता है तन और मन दोनों फिट होते हैं। इस वर्कआउट से स्टेमिना और कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बढ़ने के साथ-साथ ढेर सारी कैलोरी भी बर्न होती है। तीव्रता के साथ किए गए शिबाम से प्रति घंटे 800 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं।

जाज डांसिंग करते यंगस्टर्स

जुंबाः कोलंबियन फिटनेस एक्सपर्ट द्वारा डिजाइन किया गया यह वर्कआउट हमारे देश में भी खूब पॉपुलर हो रहा है। लैटिन म्यूजिक के साथ इसमें तरह-तरह के डांस फॉर्म्स का मिक्सचर है जैसे- सालसा, बेली डांसिंग, सोका, रिगेटन आदि। जुंबा कई प्रकार का होता है जैसे स्विमिंग पूल में एक्वा जुंबा किया जाता है। बच्चों के लिए जुंबा किड्स है और बुजुर्गों के लिए जुंबा गोल्ड है। तरह-तरह के डांस पर थिरकते हुए शरीर की अच्छी-खासी वर्जिश हो जाती है। दिलचस्प होने की वजह से इसे करने में मन भी लगा रहता है।

जुंबा डांसरसाइज करते यंगस्टर्स

पाइलेट्सः इसे मॉर्निंग वर्कआउट का हीरो कह सकते हैं। इसे एक जर्मन फिटनेस एक्सपर्ट ने शुरू किया था और 2005 के बाद से यह पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया। कमजोर घुटनों और पीठ दर्द के लिए यह एक शानदार वर्कआउट है, जिसे चटाई पर लेटकर म्यूजिक के साथ किया जाता है। इससे कमर के नीचे का हिस्सा मजबूत होता है और इससे फ्लैक्सिबिलिटी आती है।

पाइलॉक्सिंगः स्वीडन के डांसर विविका जेनसन, जो बाद में पाइलेट्स ट्रेनर बन गए, ने इसकी शुरुआत की। पाइलेट्स और बॉक्सिंग का फ्यूजन है पाइलॉक्सिंग। पाइलॉक्सिंग नंगे पैरों से वजनदार ग्लव्स पहन कर की जाने वाली डांस एक्सरसाइज है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद है, क्योंकि इससे उनकी फिटनेस और कॉन्फिडेंस दोनों बढ़ते हैं।

बॉलीवुड डांसिंगः एक्सरसाइज करने का मन नहीं है और मूड ऑफ है, तो बस बॉलीवुड के मस्ती भरे जोशीले गाने चला लें और उन पर थिरकना शुरू कर दें। आप फील ही नहीं कर पाएंगे कि फुल मस्ती में नाचते-नाचते आपकी पूरी बॉडी में मूवमेंट्स हो रहे हैं और अनजाने में ही घंटे भर का वर्कआउट हो गया। डांस से बॉडी में लचीलापन भी आता है।

मसाला भांगड़ाः आपके दिल के लिए यह जबर्दस्त कार्डियो एक्टिविटी है। यंगस्टर्स के लिए यह एक शानदार और मस्ती भरा वर्कआउट प्लान है। इसमें पॉप और भांगड़ा डांस का फ्यूजन है। इसमें ढोल की बीट पर फास्ट मूवमेंट्स किए जाते हैं। यह एक इंटेंस डांस वर्कआउट है। *

{ ट्रेडिशन / अंजू जैन }

प्राचीन-बहुरंगी-भव्य भारतीय नृत्य परंपरा

भले ही आज देश-विदेश में नृत्य की अनेक शैलियां विकसित हो चुकी हैं। लेकिन अपने देश में नृत्य परंपरा बहुरंगी, भव्य और अत्यंत प्राचीन रही है। यहां के शास्त्रीय और लोकनृत्यों की छटा देखते ही बनती है।

हमारे देश में नृत्य और संगीत का न सिर्फ धर्म और अध्यात्म से गहरा नाता रहा है, पौराणिक काल से इसकी परंपरा भी बरकरार है। प्राचीन ग्रंथों में से एक 'सामवेद' को संगीत का सबसे प्राचीन ग्रंथ माना जाता है। भरत मुनि का 'नाट्य शास्त्र' नृत्यकला का सर्वप्रथम और प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इंद्र की सभा में मेनका आदि अप्सराओं द्वारा नृत्य किए जाने का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा सभ्यता में नृत्य करती हुई युवतियों की मूर्ति पाई गई है, जिससे साबित होता है कि उस काल में ही नृत्यकला का विकास हो चुका था। खजुराहो के मंदिर हों या कोणार्क के मंदिर, प्राचीन काल में निर्मित इन मंदिरों की दीवारों पर गंधर्वों की मूर्तियां अंकित हैं। उन मूर्तियों में लगभग सभी तरह के वाद्य यंत्रों और नृत्य भंगिमाओं को दर्शाया गया है। भगवान शिव के नृत्यरत नटराज स्वरूप के बारे में हम जानते ही हैं। उनका तांडव नृत्य भी सब जानते हैं। इसी तरह श्रीकृष्ण की रासलीला में भी नृत्य और संगीत का वर्णन मिलता है।

भरतनाट्यम

डांडिया

नृत्य का जनक है हमारा देशः हमारे देश के प्राचीन शास्त्रीय नृत्य दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। हमारे देश में नृत्य की परंपरा प्राचीन काल से ही चली आ रही है। भारत की नृत्य शैलियां दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दुनिया की कई नृत्य शैलियां तो हमारी प्राचीन नृत्यकला से ही प्रभावित हैं। नाट्यशास्त्र के अनुसार भारत में कई तरह की शास्त्रीय नृत्य शैलियां अलग-अलग राज्यों में विकसित हुई हैं जैसे- भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, ओडिसी, कथक, कथकली, यक्षगान, कृष्णअट्टम, मणिपुरी और मोहिनीअट्टम।

कुचिपुड़ी

भरतनाट्यमः यह नृत्य भारत के अति प्राचीन नृत्यों में शुमार है। इसका उल्लेख भरत मुनि के नाट्य शास्त्र में भी मिलता है। मूलतः तमिलनाडु के भरतनाट्यम नृत्य में भाव, राग और ताल का संगम होता है। इस नृत्य में चेहरे के हाव-भाव, हाथ, पैर की गतिविधियां और मुद्राओं द्वारा भावनाओं को अभिव्यक्त किया जाता है।

कथकः कथक का शाब्दिक अर्थ कथा होता है। प्राचीन काल में कथा यानी कहानी सुनाने वाले लोगों को कथक कहा जाता था। शुरुआत में यह नृत्य उत्तर भारत में ब्राह्मणों द्वारा मंदिरों में किया जाता था। यह नृत्य बालकृष्ण की लीलाओं, दंतकथा और अन्य पौराणिक कथाओं पर किया जाता है। इस नृत्य कला में चेहरे के हाव-भाव और मुद्राओं को विशेष महत्व दिया जाता है। इस नृत्य में मुकुट के साथ-साथ चेहरे के श्रृंगार के लिए विविध रंगों का भी प्रयोग किया जाता है। रामायण तथा महाभारत की कथा पर भी यह नाट्य नृत्य किया जाता है।

कुचिपुड़ीः कुचिपुड़ी आंध्रप्रदेश के कृष्णा जिले में एक गांव का नाम है। इसी गांव में कुचीपुड़ी नृत्य का जन्म हुआ। शुरुआत में यह नृत्य केवल पुरुष ब्राह्मणों द्वारा ही भगवान को समर्पित किया जाता था और पुरुष ब्राह्मण ही महिला का रूप लेकर नृत्य करते थे। समय बदला तो महिलाएं भी कुचीपुड़ी नृत्य में हिस्सा लेने लगीं। इस नृत्य में शारीरिक संतुलन का कौशल प्रदर्शित किया जाता है। पानी से भरा हुआ घड़ा लेकर तथा पीतल की थाली की किनारी पर भी यह नृत्य किया जाता है।

मणिपुरीः यह नृत्यकला अन्य शास्त्रीय नृत्य कलाओं से भिन्न है। मणिपुरी नृत्य कला में पोशाक भी अन्य नृत्यकलाओं से भिन्न होती है। इसमें शरीर धीमी गति से थिरकता है। इसमें तांडव और रास्य दोनों का समावेश किया जाता है।

ओड़ीसीः कोणार्क के सूर्यमंदिर तथा भुवनेश्वर की प्राचीन गुफा की दीवारों में इस नृत्य के चित्र मिलते हैं। इस नृत्य की मुख्य मुद्रा त्रिभंग है जिसमें सिर, शरीर और पैर तीन हिस्सों में बांटकर नृत्य अभिव्यक्त किया जाता है। इस नृत्य में भगवान विष्णु के अवतार जगन्नाथ, शिव और सूर्य की कथाएं नृत्य नाटिका से मंचित की जाती हैं।

लोकनृत्य की छटाः हमारे देश में तीज-त्योहारों या शादी-विवाह जैसे खुशी के मौकों पर भी नृत्य संगीत का आयोजन खूब किया जाता है। विभिन्न संस्कृतियों में अपनी-अपनी परंपरा के अनुसार घूमर, गिंदड़, चरकुला, गेर, चंग, डांडिया, रम्मत, ढोल और पणिहारी जैसे लोक नृत्यों का खूब आनंद उठाया जाता है। लोग तरह-तरह के स्वांग लेकर नाचते-झूमते हैं और जश्न मनाते हैं। जनजातियों की जीवनशैली का हिस्सा इन लोक नृत्यों की भी छटा देखते ही बनती है। चिकित्सक इन्हें स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक मानते हैं। शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ संगीतमय लयबद्ध थिरकन से मानसिक अवसाद से भी राहत मिलती है। *

{ गजल }
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

जागो फैसले की घड़ी है

सभी को सियासत में अपनी पड़ी है
मुसीबत जहां थी वहीं पे खड़ी है
किए जा रहे हैं फकत घोषणाएं
अभी पास सबके तिलिस्मी छड़ी है
अगर चाहते हो चमन में महकना
तो जागो जरा फैसले की घड़ी है
तुम्हारे मतों पर है कायम सिंहासन
सभी की नजर अब तुम्हीं पे गड़ी है
बहुत काम बाकी है अब भी वतन में
प्रशासन है ढीला व्यवस्था सड़ी है
न जाने कहां जोश हमको ले जाए
अभी दास्तां हसरतों से बड़ी है
इसे भूख से प्यास से क्या गिला हो
जो हीरे जवाहर कनक से जड़ी है
दिखा देंगे इकदिन तुम्हें अपना जौहर
हमारी नजर में भी पुख्ता कड़ी है
यहां से वहां तक हैं 'नवरंग' कांटें
बढ़े पांव जब भी विवशता अड़ी है

{ लघुकथाएं }

अपना हित

भोला सुबह-सुबह काम की तलाश में घर से निकल चुका था। वह रोज दिहाड़ी मजदूरी करता है। इसी मजदूरी से उसके घर का चूल्हा जलता है। आज भी वह रोज की तरह घर से कुछ दूरी पर बने उस ठिकाने पर आकर खड़ा हो गया, जहां से शहर के लोग दिहाड़ी मजदूर लेकर जाते हैं। भोला यह सोच ही रहा था कि पता नहीं आज काम मिलेगा या नहीं? तभी वहां सफेद कुर्ता-पाजामा पहने एक व्यक्ति आया, भोला से बोला, 'तुम लोग आज के दिन भी मजदूरी करने जा रहे हो। यह तो गलत बात है।' 'क्यों गलत बात है?

आज ऐसा क्या है, जो हम मजदूरी नहीं कर सकते हैं?' भोला ने पूछा। 'आज श्रमिक दिवस है। इसे मई दिवस भी कहते हैं। यह तुम जैसे मजदूरों को अपने अधिकारों और हितों को समझने का दिन है। मैं तुम्हारे हित के लिए आया हूं। चलो हमारे साथ सामने वाले पार्क में, वहां एक बड़ी सभा है। एक बड़े नेताजी आ रहे हैं, उनका भाषण है। नेता जी तुम्हारे अधिकारों के बारे में बताएंगे। तुम्हारे हितों की बात करेंगे।' वह व्यक्ति बोला। भोला उस आदमी से बोला, 'अच्छा तो तुम हमारे हित के लिए आए हो। हम मजदूरों का हित तो अपनी मजदूरी करने में है। अगर आज हम काम नहीं करेंगे तो हमारे घर चूल्हा नहीं जलेगा।

हमारे बीवी-बच्चे भूखे रह जाएंगे। नेता जी के भाषणों से हमारे घर का चूल्हा नहीं जलेगा, हमारा पेट नहीं भरेगा। हमें मालूम है, चुनाव आ गए हैं। इस सभा में नेता जी जो बोलेंगे, उसके पीछे हमारा नहीं, उनका हित होगा। इतने सालों में नेता जी हम मजदूरों के हित की बात करने नहीं आए, अब चुनाव के समय उन्हें हमारी सुधि आई है। क्षमा करें श्रीमान जी, हम आपके नेता जी का भाषण सुनने नहीं जा पाएंगे।' यह सुनकर वह व्यक्ति चुपचाप वहां से चला गया। *

- ललित शौर्य

कच्चे पपीते

सुनो जी, ये इतने ढेर सारे कच्चे पपीते क्यों ले आए? घर में कोई पपीते पसंद नहीं करता। इनका मैं क्या करूं?' पत्नी ने झल्लाते हुए पति से कहा।

'अरे! भाग्यवान इनकी सब्जी बना लो या हलवा बना लो।' पति बोले। 'तुम्हें तो पपीते की सब्जी बिल्कुल पसंद नहीं है, हलवा बच्चे पसंद नहीं करते। मुझे समझ नहीं आया कि जब घर में कोई कच्चा पपीता पसंद नहीं करता तो तुम बेवजह इतने ढेर सारे कच्चे पपीते लेकर ही क्यों आए?' पत्नी और ज्यादा झल्लाकर बोली। 'सच बात बताऊंगा, तुम गुस्सा तो नहीं करोगी? वो क्या है कि सड़क किनारे एक वृद्धा कच्चे पपीते बेच रही थी।

वह किसी महिला से कह रही थी, बहन जी, पपीते ले लो। दो दिन से मेरे घर चूल्हा नहीं जला है। कम दाम में ले लो। किंतु उसका पपीता उसने क्या, किसी ने भी नहीं खरीदा। मुझे उस पर दया आ गई। मैंने उस वृद्धा से पूछा- माता जी, ये पपीते कितने पैसे में देंगी? तो वह बोली-बेटा, जो उचित लगे दे दो। भगवान तुम्हारा भला करेगा। क्या करूं बेटा, बहुत गरीब हूं। घर पर दो-चार पपीते के पेड़ हैं। वही जीने का सहारा हैं। पके पपीते कुछ दिन पहले बेचे थे। उससे दो दिन घर में चूल्हा जला, लेकिन अब पके पपीते नहीं हैं तो कच्चे ही तुड़वा कर लाई हूं ताकि मेरी छोटी सी पोती को खाने को भोजन मिल जाए। वो भी दो दिन से भूखी है। बहू-बेटे दो साल पहले कोरोना में नहीं रहे। तब से जैसे-तैसे गुजारा कर रही हूं। बस मैंने उसके सारे पपीते सौ रुपए में खरीद लिए।' पति ने डरते हुए सारी बात पत्नी से कह दी। यह सुनकर पत्नी भी दुखी होकर बोली, 'ओह! बेचारी गरीब वृद्धा को सौ नहीं दो सौ रुपए दे देना था ताकि वे लोग भरपेट खाना खा पाते।'

पति यह सुनकर पत्नी का मुंह देखते ही रह गए। *

- डॉ. शैल चंद्रा

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

जीतने की जिद

एक व्यक्ति की आवाज किस तरह उसकी जिंदगी के सारे फैसलों को नियंत्रित कर सकती है। खुशियों के सारे दरवाजे बंद कर सकती है। हीनभावना से भर सकती है। दोस्तों के आगे शर्मिंदा कर सकती है। आत्महत्या तक पहुंचा सकती है, इसका अंदाजा भगवंत अनमोल के उपन्यास 'गेरबाज' को पढ़कर लगा सकते हैं। अपनी बात को समय पर सही ढंग से न बोल पाना भी पीड़ादायक हो सकता है, यह आप इसे पढ़ते हुए महसूस करेंगे। इस किताब में लेखक ने बड़ी सूक्ष्मता से एक हकलाने वाले व्यक्ति की मनोदशा और उसके जीतने की जिद को चित्रित किया है। यह हकलाहट की समस्या पर लिखा गया एक पठनीय उपन्यास है। *

पुस्तकः गेरबाज (उपन्यास), **लेखकः** भगवंत अनमोल, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (पेंगुइन स्वदेश), गुरुग्राम

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से।
हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com
हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

गर्मी की छुट्टियों में अधिकतर लोग कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते ही हैं। अगर आप नेचर लवर हैं और एडवेंचरस ट्रैवलिंग का मजा लेना चाहते हैं तो इस बार जंगल सफारी के लिए जा सकते हैं। अपने घर से निकटतम किसी राष्ट्रीय उद्यान का चयन करें और निकल पड़ें। लेकिन इस दौरान आपको सफारी से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान भी रखना होगा।

अगर आप कर रहे हैं जंगल सफारी की प्लानिंग

एडवेंचर ट्रैवेलिंग / विवेक कुमार

भारत की अद्वितीय जैवविविधता की प्रसिद्धि हमारे देश में ही नहीं पूरी दुनिया में है। हर साल पूरी दुनिया से लाखों पर्यटक यहां घूमने के लिए आते हैं। पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, भारत के जंगलों में दुनिया के दुर्लभतम जानवर पाए जाते हैं। इन घने जंगलों, घास के मैदानों और दलदलों में स्थित भारत के जंगलों में देखने के लिए बहुत कुछ होता है। लोग यहां की सफारी करते हैं।

निर्देशों का पालन है जरूरी

अगर आप भी गर्मी की इन छुट्टियों में कहीं घूमने जाना चाहते हैं तो जंगल की सफारी का भी मजा ले सकते हैं। इसके लिए हालांकि पहले से बुकिंग करानी होती है और इसके कुछ नियम कायदे कानून होते हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। हर

जंगल सफारी में अनुभवी गार्ड और पार्क के अधिकारियों द्वारा जो सुरक्षा निर्देश जारी किए जाते हैं, उनके बारे में पर्यटकों को पहले से अवगत कराया जाता है। उनकी जरा सी भी अनदेखी पर्यटकों के लिए ही नहीं बल्कि वन्यजीव दोनों की सुरक्षा के लिए खतरा साबित हो सकती है।

व्यक्तिगत गाड़ी से जाना प्रातिबंधित

जंगल सफारी के लिए सबसे पहला नियम तो यह है कि जंगल के भीतर आप अपना पर्सनल वाहन नहीं ले जा सकते हैं। इसके लिए जंगल प्रशासन द्वारा ही गाड़ी मुहैय्या कराई जाती है। सफारी के दौरान रंग-बिरंगे ड्रेसेस पहनने की बजाय ब्राउन और ग्रीन कलर की ड्रेसेस, जो वहां के वातावरण से मेल खाते हैं, उन्हें ही पहनकर जाना चाहिए। सफारी के दौरान गाड़ी से बाहर नहीं निकलना चाहिए। जानवरों को नजदीक से देखने का मोह नहीं पालना चाहिए। सफारी की गाड़ी खुली होती है, जिसमें आप इत्मीनान से जंगली जानवर को देख सकते हैं।

जानवरों के नजदीक जाने से बचें

हालांकि यह जरूरी नहीं कि आपको जानवर पास से देखने को मिलें, क्योंकि सफारी द्वारा जंगल के भीतर जो रास्ता बनाया जाता है, उसी सड़क पर चलना होता है। इन रास्तों को पर्यटकों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को मदेनजर रखते हुए बनाया जाता है। गाड़ी से बाहर निकलकर जानवर को नजदीक से देखने के चक्कर में या उसको करीब से फोटो लेने से भी बचना चाहिए। जंगल की सफारी में फ्लैश फोटोग्राफी की अनुमति नहीं दी जाती, क्योंकि कैमरे की फ्लैश से जानवर परेशान हो सकते हैं और वो घबराकर आप पर हमला भी कर सकते हैं। सफारी में किसी भी तरह का हथियार लेकर जाने की भी मनाही होती है। सफारी का उद्देश्य वन्यजीवों को दूर से देखना होता है। उनको बहुत करीब से देखने के चक्कर में उनके पास नहीं जाना चाहिए, क्योंकि इससे वे डर सकते हैं। यदि आपके साथ गाइड है तो आप उसे ज्यादा करीब ले जाने के लिए दबाव न डालें। सफारी से उतरकर इधर-उधर पैदल ना घूमें। इससे आप रास्ता भटक सकते हैं।

जानवरों को ना करें परेशान

जानवरों को देखकर उन्हें आवाजें लगाने से उनका प्राकृतिक व्यवहार बिगड़ सकता है। उनके पास जाकर अनावश्यक शोर नहीं करना चाहिए, ना ही संगीत बजाना चाहिए। तेज आवाज वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की मनाही होती है। यदि आपको जानवर पास से दिखाई दे तो उन्हें खाने के लिए कुछ नहीं दें। इससे उनको स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं।

पर्यावरण का रखें ध्यान

जंगल में खाने के लिए आप जो भी सामान लेकर जाते हैं, कोल्ड ड्रिंक की बोतल, पानी की बोतलें, चिप्स के पैकेट इन सबका कूड़ा वहां ना छोड़कर आएं बल्कि इन्हें अपने साथ लाएं। जंगल में रहने वाले स्थानीय आदिवासियों से भी अनावश्यक मेल-मिलाप ना करें। उनकी तस्वीर उनकी अनुमति के बगैर ना लें। आदिवासियों की संस्कृति और रीति-रिवाजों का सम्मान करें। यहां बताए गए नियमों का ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही आपकी जंगल सफारी शानदार और हमेशा यादगार रहेगी। *

राज्य के अनुसार प्रमुख जंगल सफारी

- जवाई बांध तेंदुआ संरक्षण रिजर्व, राजस्थान
- काबिनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, कर्नाटक
- जिम कार्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड
- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम
- कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल
- पेरियार राष्ट्रीय उद्यान, केरल
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश
- बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक
- ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व, महाराष्ट्र
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र

युवाओं में बढ़ रहा ई-बाइक्स का क्रेज

बेहतरीन फीचर्स, अट्रैक्टिव, कॉम्पैक्ट, स्पोर्टी, फंकी लुक और ट्रेंडी डिजाइंस के कारण ई-बाइक्स आजकल युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। इनकी खूबियों और आने वाले दौर में इनके ट्रेंड पर एक नजर।

ऑटो ट्रेंड / वी. कुमार

आज से कुछ साल पहले तक मोटर बाइक्स के मार्केट में ई-बाइक्स की डिमांड न के बराबर थी और युवाओं को तो ये ई-बाइक्स बिल्कुल भी पसंद नहीं आती थीं। लेकिन अब ई-बाइक्स को लेकर यंगस्टर्स की राय काफी बदल रही है।

यंगस्टर्स की बदल रही सोचः वैसे तो ई-बाइक्स हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं, लेकिन चूंकि बाइक्स ज्यादातर युवा चलाते हैं, इसलिए यह कहना सही होगा कि युवाओं को ये ज्यादा पसंद आ रही हैं। आंकड़ों की बात करें, तो ऑटो मोबाइल को लेकर युवाओं की पसंद-नापसंद पर नजर रखने वाली एक प्रसिद्ध अमेरिकी बिजनेस वेबसाइट के अनुसार- आज अमेरिका में 67 फीसदी ई-बाइक्स के मालिक पुरुष हैं और 33 फीसदी की महिलाएं। इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि अमेरिका में जितनी भी ई-बाइक्स पिछले तीन सालों में बिकी हैं, उनमें 63 फीसदी के मालिक 18 से 44 साल के युवा हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिकी युवाओं को किस कदर पेट्रोल-फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं। गौरतलब है कि सिर्फ अमेरिका ही नहीं, दुनिया भर के युवाओं में ई-बाइक्स का क्रेज बढ़ा है।

पेट्रोल बाइक्स से बना रहे दूरीः पहले यह माना जाता था कि पॉवर और स्पीड के मामले में जो खूबी पेट्रोल वाहनों को हासिल है, वह इलेक्ट्रिक वाहनों को नहीं हासिल होगी। इसलिए यह अनुमान लगा लिया गया था कि आने वाले सालों में युवाओं को ई-बाइक्स पसंद नहीं आएंगी। लेकिन अब व्यावहारिक सच्चाई बदल चुकी है। आजकल ई-बाइक्स निर्माता दिन-ब-दिन इसके नए और अपडेटेड वर्जंस लांच कर रहे हैं। ऐसे में युवा-वर्ग इसकी ओर खासे आकर्षित हो रहे हैं। आज के युवा ई-बाइक्स को पेट्रोल बाइक्स के बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

लुक्स-फीचर्स भी हैं अट्रैक्टिवः ई-बाइक्स को फीचर्स के मामले में भी अब अट्रैक्टिव माना जाने लगा है। देखा जाए तो ई-बाइक्स के जितने खूबसूरत, ट्रेंडी और फंकी डिजाइंस पिछले दो सालों में आए हैं, उतने डिजाइंस तो कभी पेट्रोल-बाइक्स में भी नहीं आए। युवाओं द्वारा ई-बाइक्स पसंद किए जाने का एक कारण इनका अल्ट्रामॉडर्न लुक भी है।

बढ़ रही है स्पीडः पहले यह माना जा रहा था कि ई-बाइक्स की रफ्तार बहुत कम होगी, लेकिन ऐसा नहीं है। हालांकि अभी तक इनकी रफ्तार अधिकतम 50 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक ही है लेकिन उम्मीद है कि इस साल नवंबर-दिसंबर तक 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार वाली ई-बाइक्स अमेरिका और यूरोप में आ जाएंगी। आने वाले सालों में सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली ई-बाइक्स भी सड़कों पर दौड़ने लगेंगी।

लगती हैं कंफर्टेबलः ई-बाइक्स, पेट्रोल-बाइक्स की तुलना में हल्की होती हैं, इसलिए ये युवाओं के साथ-साथ हर आयु-वर्ग के लोगों को पसंद आ रही हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को पैडलिंग ई-बाइक्स भी खूब पसंद आ रही हैं। दरअसल, इनमें मोटर और बैटरी दोनों होती हैं, पर अगर दोनों ही काम न कर रहे हों तो पैडल मारने की सुविधा भी होती है। इन खूबियों के साथ पर्यावरण और भविष्य की चिंताओं से सरोकार रखने वाले युवाओं के साथ-साथ हर वर्ग के लोग पेट्रोल-बाइक्स के बेहतर विकल्प के तौर पर ई-बाइक्स को खूब पसंद कर रहे हैं।

और बढ़ेगा ट्रेंडः पिछले कुछ सालों में अमेरिका ई वाहनों का हब बनकर उभरा है। एक अनुमान के मुताबिक साल 2030 तक दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास ई-बाइक्स होंगी। ई-बाइक्स दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन हैं। यहां तक कि बिक्री के मामले में ये इलेक्ट्रिक कारों से भी बहुत आगे हैं। भारत के संदर्भ में अगर भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की भविष्यवाणी पर यकीन करें तो अगले पांच सालों में भारत में सभी तरह के वाहनों में करीब 30 फीसदी से ज्यादा ई-वाहन होंगे। इसलिए अगर आज युवाओं को पेट्रोल फ्री ई-बाइक्स पसंद आ रही हैं तो मानना होगा कि वे भविष्य पर नजर रख रहे हैं। *

मौसमी फल / शिवचरण चौहान

ताजगी दे रसभरा तरबूज

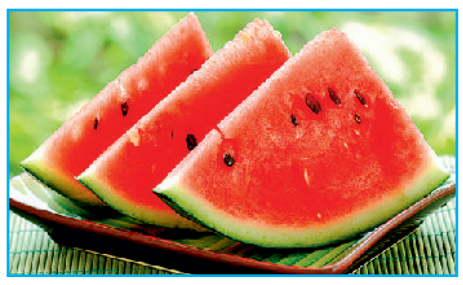

तीरा यानी तरबूज, बेल वाले पौधे में लगने वाला फल है। तरबूज यानी गर्मी में तन को तरावट देने वाला फल। यह गर्मी के मौसम में बालू वाली भूमि पर पैदा होता है। भारत में राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार आदि प्रदेशों में भी यह बहुतायत से उत्पन्न होता है। नदियों की बलुई जमीन में इसकी बेल, आसानी से उग आती है। तरबूज खाने से प्यास शांत होती है और लू नहीं लगती है।

कहां हुई इसकी उत्पत्तिः तरबूज दुनिया में आया कहां से, इसको लेकर बहुत मतभेद हैं। भारत के लोग दावा करते आए हैं कि तरबूज हमारे देश का देशज फल है। दुनिया के लोग अभी तक इसे सूडान का फल मानते रहे हैं। सफेद गूदे वाले तरबूज के फल सूडान के जंगलों में पाए जाते थे, जो जानवरों को खिलाने के काम आते थे और कम मीठे होते थे। ईरान में लाल गूदे वाले तरबूज पाए जाते थे और माना जाता था कि ईरान के रेगिस्तान में तरबूज की उत्पत्ति हुई है लेकिन 3300 वर्ष पूर्व मिस्र के तूती खामीन के मकबरे में तरबूज के बीज मिले थे तो माना गया कि तरबूज की उत्पत्ति मिस्र में हुई होगी। फिर 4300 वर्ष पूर्व की एक पेंटिंग मिस्र के एक गुंबद में मिली, जिसमें एक तश्तरी में कटे हुए तरबूज के लाल रंग की फांके के चित्र बने हुए हैं। इस आधार पर लोग मानने लगे कि मिस्र के लोग लाल गूदे वाले मीठे तरबूज के बारे में बहुत पहले से जानते थे। आज तरबूज पूरी दुनिया में प्यास बुझाने के लिए गर्मियों का एक प्रमुख फल है।

मौजूद प्रमुख तत्वः एक पके तरबूज में 90 प्रतिशत जल, 0.4 प्रतिशत प्रोटीन, 0.3 प्रतिशत वसा, 0.3 प्रतिशत खनिज तत्व, 4 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और लोहा भी पाया जाता है। तरबूज के बीजों में 52 प्रतिशत तेल, 34 प्रतिशत प्रोटीन और अन्य तत्व होते हैं। बीजों की तासीर शीतल होने के कारण शरबत और लस्सी को बनाने में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

कई रोगों में उपयोगीः तरबूज के बीज की गिरी मूत्र रोग में रामबाण है और मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करती है। नियमित तरबूज खाने से पेट की खराबी में राहत मिलती है। सूखी खांसी के मरीज को लाभ मिलता है और उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है। जोड़ों के दर्द में यह उपयोगी है। यह रक्त वर्धक भी होता है। लेकिन तरबूज अधिक नहीं खाना चाहिए। *

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही अलग-अलग जॉनर में हिंदी फिल्में बनती रही हैं। लेकिन उनमें से जिस जॉनर की फिल्में दर्शक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, उनमें सस्पेंस-थ्रिलर प्रमुख हैं। किस तरह ये फिल्में दर्शकों को अंत तक बांधे रखती हैं, अब तक की सबसे चर्चित सस्पेंस फिल्में कौन-सी रही हैं, इन पर एक नजर।

दर्शकों को भाती हैं खूब क्लाइमेक्स पर चौंकाने वाली फिल्में

फिल्मी पर्दे पर दर्शक अलग-अलग रंग देखते रहे हैं। उन्हीं में से एक रंग है फिल्म के अंत का रोमांच बनाकर रखना। शुरुआती दौर में इन फिल्मों के क्लाइमेक्स को इतना रोचक बनाया जाता था कि दर्शक समझ नहीं पाता कि ऐसा कैसे संभव है? ऐसी फिल्मों का अंत कुछ ऐसा होता था, जो देखने वालों को चौंकाता था। इनके कथानक को कुछ इस तरह रचा जाता था कि दर्शक उसके आकर्षण में फंस जाते थे। वे कहानी के ट्विस्ट की असलियत समझ नहीं पाते और जब राज खुलता तो ऐसा पात्र संदेहों से घिरा मिलता, जिस पर किसी की नजर नहीं जाती थी। सस्पेंस फिल्मों में चौंकाने वाले इस तरह के अंत का दौर अभी खत्म नहीं हुआ है।

नया नहीं थ्रिलर का क्रेजः पुराने दौर से लेकर अब तक कई थ्रिलर फिल्में आती रही हैं, लेकिन सभी दर्शकों को बांधने में सफल नहीं हो पाईं। याद वही फिल्में रहती हैं, जिन्होंने अपनी पटकथा और डायरेक्शन का जादू दिखाया। पुरानी फिल्मों में 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'इत्तेफाक', 'गुमनाम' और आज के दौर की 'ए वेडनस-डे', 'बदला', 'हमराज', '100 डेज' के बाद आयुष्मान खुराना की फिल्म 'अंधाधुन' और अजय देवगन की दोनों 'दृश्यम' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनके क्लाइमेक्स ने दर्शकों को चौंकने पर मजबूर कर दिया था। 'अंधाधुन' ने तो एक नया ट्रेंड बना दिया। इसमें एक अंधे आदमी का किरदार काफी रहस्यमय था। फिल्म की कहानी इसी के आस-पास घूमती है। इस पूरी फिल्म में अच्छा-खासा सस्पेंस बनाकर रखा गया।

विजय आनंद ने की शुरुआतः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हिंदी फिल्मों में मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस फिल्मों की शुरुआत का श्रेय विजय आनंद को जाता है। उन्होंने 'तीसरी मंजिल' और 'ज्वेल थीफ' उस दौर में बनाने की हिम्मत की, जब दर्शकों को ऐसी कहानियों का अंदाजा भी नहीं था। पर, विजय आनंद ने दर्शकों पर अपना जादू चलाया और उनकी ऐसी कई फिल्में पसंद की गईं। उन्होंने ऐसे कई प्रयोग किए, जो सस्पेंस से लबरेज थे।

दर्शकों को भाती हैं ऐसी फिल्मेंः सस्पेंस और थ्रिलर हमेशा ही दर्शकों का पसंदीदा फिल्म जॉनर रहा है। उन्हें ऐसी सस्पेंस फिल्में ही ज्यादा पसंद आती हैं, जिसके अंत के बारे में सारे अनुमान गलत निकलें। फिल्म के क्लाइमेक्स में ऐसा शख्स सामने आए, जिसका दर्शकों ने अनुमान भी नहीं लगाया हो! ऐसी ही फिल्में दर्शकों को बांधने वाली होती हैं। इसीलिए दर्शक सस्पेंस, थ्रिलर और मर्डर मिस्ट्री देखना पसंद करते हैं। हालांकि ये तीनों ही अलग-अलग शैलियां हैं। थ्रिलर फिल्मों में एक्शन होता है, लेकिन सस्पेंस नहीं। उनमें सस्पेंस की घटनाएं होती हैं, जिनका राज धीरे-धीरे खुलता रहता है। सस्पेंस फिल्म में न तो रहस्य जरूरी है और न एक्शन। इनमें चौंकाने वाले सीन ज्यादा होते हैं, जो दर्शक को सोचने का मौका भी नहीं देते। मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर फिल्में एक जैसी नहीं होती हैं। दोनों का ट्रीटमेंट अलग-अलग होता है। सस्पेंस फिल्मों में राज धीरे-धीरे खुलते हैं पर, मिस्ट्री फिल्मों में सिर्फ एक राज होता है, जिस पर से फिल्म के अंत में पर्दा उठता है। पूरी कहानी अनजान हत्यारे की खोज पर आधारित होती है। संदेह के लिए कई पात्रों को निशाने पर रखा जाता है। कभी फिल्म के नायक, नायिका या सबसे शरीफ पात्र के भी कातिल होने के हालात निर्मित किए जाते हैं। यानी दर्शकों को बांधने और उनका ध्यान बांटने के लिए कई हथकंडे रचे जाते हैं। दर्शकों को भी वही सस्पेंस फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं, जो उन्हें चौंका दें। 'तीसरी मंजिल', 'ज्वेल थीफ', 'कत्ल' के बाद 'गुप्त' ऐसी ही रोचक फिल्में थीं, जिसके अंत का अंदाजा अनुमान से अलग था।

ये फिल्में रही हैं चर्चितः रामगोपाल वर्मा की 'कौन' को बॉलीवुड की बेस्ट साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म कहा जाता है। यह पूरी फिल्म घर में बंद एक लड़की (उर्मिला मातोंडकर) की कहानी है, जो अजनबी (मनोज बाजपेयी) से बचने की कोशिश में रहती है। लेकिन, फिल्म का क्लाईमेक्स दर्शकों के होश उड़ा देता है। इसी तरह की फिल्म 'फोबिया' भी थी, जिसमें राधिका आप्टे ने काम किया। बॉबी देओल, काजोल और मनीषा कोइराला की 'गुप्त' बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर फिल्म थी। इसमें अंत तक किसी का ध्यान नहीं जाता और खलनायिका काजोल निकलती है। विद्या बालन की 'कहानी' और 'कहानी-2' दोनों ही फिल्में दर्शकों को अंत तक कुर्सी से बांधकर रखती हैं। 'बदला' को भी मर्डर मिस्ट्री फिल्म माना जाता है। इसे अंत तक देखने के बाद ही समझ आता है कि आखिर सच्चाई क्या है?

हाल के वर्षों में आई सस्पेंस फिल्मों में 'दृश्यम' सीरीज सबसे अच्छी मानी जा सकती है। इसमें अपराधी सामने होता है, लेकिन न तो पुलिस उसे पकड़ पाती है और न दर्शकों को समझ आता है कि उसने ये सब किया कैसे होगा?

इन्हें भी किया दर्शकों ने पसंदः यहां ऊपर जिन फिल्मों का जिक्र किया गया उनके अलावा कुछ और फिल्में जैसे- 'मेरा साया', 'धुंध', 'अपराधी कौन', 'कब क्यों और कहां', 'वो कौन थी', 'डिटेक्टिव व्योमकेश बक्शी', 'भूल-भुलैया', 'तलवार' का भी जादू दर्शकों पर जमकर चला। *

मेल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा

गर्मी के मौसम में अधिकतर यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ ट्रेंडी भी हों। यही वजह है कि इन दिनों चिनो शॉर्ट्स यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं। इनकी खासियतों के बारे में आप भी जानिए।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं कंफर्टेबल चिनो शॉर्ट्स

गर्मी के मौसम में हम सभी ऐसी ड्रेस पहनना चाहते हैं, जो कंफर्टेबल हो और जिसमें गर्मी का अहसास भी कम हो। ये दोनों खूबियां चिनो शॉर्ट्स में मौजूद होती हैं, इसीलिए यंगस्टर्स इन्हें काफी पसंद करते हैं। चिनो शॉर्ट्स, शुद्ध सूती कपड़े के बने होते हैं। यानी इनका फैब्रिक, कपास (कॉटन) से बना होता है। इसलिए गर्मी के मौसम में पहनने के लिए चिनो शॉर्ट्स परफेक्ट माने जाते हैं।

वैरायटीज हैं बहुतः वैसे तो चिनो शॉर्ट्स में आपको कलर्स और डिजाइन की बहुत वैरायटीज मिल जाएंगी लेकिन इस साल खाकी चिनो शॉर्ट्स ट्रेंड में हैं। वैसे आप अपनी पसंद के किसी दूसरे कलर का चिनो शॉर्ट्स भी ले सकते हैं। वैरायटी की लंबी रेंज की वजह से ही यंगस्टर्स ही नहीं हर एज ग्रुप के लोग इसे पहन सकते हैं। देश-विदेश में कई ब्रांडेड कंपनियां चिनो शॉर्ट्स बनाती हैं। इसकी वजह यह है कि पूरी दुनिया में इन दिनों युवाओं के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले शॉर्ट्स, चिनो शॉर्ट्स ही हैं।

ऐसे करें टीमअपः यह कहना गलत नहीं होगा कि चिनो शॉर्ट्स पिछले कुछ समय से युवाओं की ग्लोबल फेवरेट बॉटम वियर बन गए हैं। इन्हें टैक्सीडो जैकेट और फ्लिप-फ्लॉप डेक शूज के साथ या फिर लूज टी-शर्ट या स्निकर के साथ टीमअप किया जा सकता है।

नॉर्मल शॉर्ट्स से हैं अलगः चिनो शॉर्ट्स के फैब्रिक और डिजाइन के कारण ये नॉर्मल-ट्रेडिशनल शॉर्ट्स से अलग होते हैं। वैसे तो नॉर्मल शॉर्ट्स की तरह चिनो शॉर्ट्स भी थिन कॉटन टवील फैब्रिक से बने होते हैं। लेकिन थोड़ी इलास्टिसिटी के लिए इनमें तीन से पांच फीसदी तक नॉनकॉटन मैटीरियल भी मिलाया जाता है।

होते हैं कंफर्टेबलः चिनो शॉर्ट्स कई देशों समेत अपने देश में भी इसलिए तेजी से पॉपुलर हो रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में हमारी त्वचा को जब चिपचिपाहट और उसम के कारण अनकंफर्टेबल फील होता है, तब चिनो शॉर्ट्स वियर करना बहुत कंफर्टेबल लगता है। चिनो शॉर्ट्स का लाइट और सॉफ्ट फैब्रिक न सिर्फ घर में फुर्सत के समय बल्कि सफर के दौरान भी पहनना आरामदायक होता है। चिनो शॉर्ट्स पहनने में जो बात सबसे अच्छी महसूस होती है, वह होती है फ्री बॉडी मूवमेंट। इसे पहनकर आप आराम से किसी भी दिशा में झुक सकते हैं, मूव कर सकते हैं। ये

बिल्कुल शरीर की गतिविधियों के मुताबिक अपने आप एडजस्ट हो जाते हैं। इसलिए इन्हें पहनने में सुविधा महसूस होती है। चिनो शॉर्ट्स का डिजाइन भी अट्रैक्टिव होता है। इसलिए इसे पहनकर स्मार्ट फीलिंग भी आती है।

जब सेलेक्ट करें शॉर्ट्सः इन दिनों गर्मी का मौसम है। इस दौरान अगर आप चिनो शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि वे कॉटन फैब्रिक के ही बने हों। एक और बात ध्यान रखनी चाहिए कि शॉर्ट्स बहुत लूज या बहुत हैवी नहीं होने चाहिए। पहनने में आपको कंफर्टेबल फील होना चाहिए। अगर घूमने, फिरने के दौरान शॉर्ट्स पहनना चाहते हैं तो ध्यान रखें ये थिन, लूज और कैजुअल बीच शॉर्ट्स होने चाहिए। वैसे चिनो शॉर्ट्स ज्यादातर गर्मियों में पहने जाते हैं, लेकिन 12 से 30 सेंटीमीटर लंबे ये शॉर्ट्स किसी भी अन्य मौसम में भी पहने जा सकते हैं। *